दैनिक
# साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 196 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, सोमवार, 7 जुलाई, 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

## न्यूज ब्रीफ

### जस्टिस चंद्रचूड़ ने बताईं निजी मजबूरियां, कहा- 'कुछ दिनों में छोड़ दूंगा बंगला'

नई दिल्ली, एजेंसी | जस्टिस चंद्रचूड़ ने बताया, 'मेरी बेटियों को गंभीर बीमारियां और आनुवंशिक समस्याएं हैं - खासकर 'नेमालाइन मायोपैथी', जिसके लिए उनका इलाज एम्स के विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है।' उन्होंने यह भी कहा कि परिवार के लिए उपयुक्त घर खोजने में समय लग रहा है।

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश के आधिकारिक आवास को खाली करने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखे जाने के बाद, पूर्व CJI जस्टिस धनंजय वाई चंद्रचूड़ ने बंगले में लंबे समय तक रहने के पीछे अपनी निजी मजबूरियों का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि देरी उनके परिवार की जरूरतों के कारण हुई है, क्योंकि उनकी दो बेटियां विशेष आवश्यकताओं वाली हैं।

जस्टिस चंद्रचूड़ ने बताया, 'मेरी बेटियों को गंभीर बीमारियां और आनुवंशिक समस्याएं हैं - खासकर 'नेमालाइन मायोपैथी', जिसके लिए उनका इलाज एम्स के विशेषज्ञों द्वारा किया जा रहा है।' उन्होंने यह भी कहा कि परिवार के लिए उपयुक्त घर खोजने में समय लग रहा है, हालांकि उन्होंने माना कि यह एक व्यक्तिगत मुद्दा है। चंद्रचूड़ ने यह भी साफ किया कि इस बारे में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों और अधिकारियों के साथ पहले ही चर्चा की जा चुकी है।

### चूहों ने बजा दिया बैंक का इमरजेंसी सायरन, 15 मिनट तक मचा हड़कंप, मौके पर पहुंची पुलिस

राजनांदगांव, एजेंसी | छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव एक बैंक परिसर में अचानक बज उठे आपातकालीन सायरन ने क्षेत्र में अफरा-तफरी मचा दी। यहां सायरन करीब 15 मिनट तक लगातार बजता रहा। जांच के दौरान तकनीकी टीम को यह चौंकाने वाला कारण मिला कि आपातकालीन सायरन का तार चूहों ने काट दिया था, जिससे सायरन अपने-आप सक्रिय हो गया था।

शहर के जय स्तंभ चौक स्थित बैंक परिसर में रविवार दोपहर अचानक बज उठे आपातकालीन सायरन ने क्षेत्र में अफरा-तफरी मचा दी। दोपहर करीब दो बजे आइडीबीआई और इंडियन बैंक परिसर से जोरदार सायरन की आवाज गूंजने लगी, जिससे लोग घबरा गए और मौके पर भीड़ जुट गई। सायरन करीब 15 मिनट तक लगातार बजता रहा, लेकिन लोगों को यह समझ नहीं आ रहा था कि सायरन किस बैंक का है, क्योंकि दोनों बैंक एक ही परिसर में ऊपर-नीचे संचालित हैं। सायरन की आवाज को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस और बैंक कर्मियों को सूचना दी गई। बैंक अधिकारियों और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरे परिसर की गहन जांच की, लेकिन किसी तरह की कोई संदिग्ध गतिविधि या खतरा नहीं मिला।

जांच के दौरान तकनीकी टीम को यह चौंकाने वाला कारण मिला कि आपातकालीन सायरन का तार चूहों ने काट दिया था, जिससे सायरन अपने-आप सक्रिय हो गया था। बैंक अधिकारियों ने पुष्टि की कि वायरिंग में गड़बड़ी की वजह से यह स्थिति बनी और अब वायर को ठीक कर दिया गया है। इस घटना ने एक बार फिर बैंक परिसरों की सुरक्षा और रख-रखाव पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

## » सच्चे राष्ट्रभक्त और लोकतंत्र सेनानी थे डॉ. मुखर्जी

# प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डॉ. मुखर्जी के विचार को किया है क्रियान्वित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

» डॉ. मुखर्जी ने धारा 370 के विरोध के साथ ही राष्ट्र हित के अनेक मुद्दों पर निरंतर कार्य किया

» एक देश एक विधान कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के योगदान का किया स्मरण

• भोपाल, एजेंसी

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में धारा 370 के विरोध के साथ ही राष्ट्र हित के अनेक मुद्दों पर निरंतर कार्य किया। वे लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसे सच्चे नेता थे, जिन्होंने लोकतंत्र सेनानी के रूप में कोलकाता और पश्चिम बंगाल को बचाने का कार्य भी किया। उन्होंने राष्ट्रवादी संगठन जनसंघ की स्थापना तो की ही तत्कालीन केंद्र सरकार से स्वयं को अलग करते हुए निर्दलीय रूप से निर्वाचन का निर्णय लिया। शिक्षा के क्षेत्र से सार्वजनिक क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद ऐसी अनेक चुनौतियों का उन्होंने सामना किया जो राष्ट्रभक्त ही किया करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि डॉ.मुखर्जी ने कभी असंगत व्यवस्थाओं से समझौता नहीं किया। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम की हिंसा का उत्तर आपरेशन सिंदूर के माध्यम से दिया। स्वतंत्रता के बाद सर्वप्रथम डॉ. मुखर्जी ने ऐसी व्यवस्थाओं का विरोध किया था जो राष्ट्र हित में नहीं थीं। उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने डॉ. मुखर्जी के जीवन लक्ष्य को पूर्ण करते हुए कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इस तरह डॉ. मुखर्जी के संकल्प ' एक निशान, एक विधान और एक प्रधान' को साकार करने का कार्य किया गया है। पूरे राष्ट्र ने एक स्वर से कश्मीर से धारा 370 हटाने का समर्थन किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में संस्कृति विभाग द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125 वी जयंती के अवसर पर में 'एक देश एक विधान' विषय पर आयोजित वैचारिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

### डॉ. मुखर्जी के विचार को प्रधानमंत्री श्री मोदी ने किया क्रियान्वित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने संविधान के अनुच्छेद 370 का विरोध करते हुए संसद में भाषण दिया था। वे कश्मीर को विशेष दर्जा देने के प्रबल विरोधी थे। उनका मानना था कि कश्मीर हमारे लिए केवल एक भू-भाग नहीं अपितु भारत की आत्मा है। डॉ. अम्बेडकर का भी यही विचार था। डॉ. मुखर्जी का मानना था कि भारत की एकता से कोई समझौता नहीं बल्कि संकल्प है। कश्मीर के मुद्दे पर भारतीय जनसंघ ने सत्याग्रह भी किया। डॉ. मुखर्जी 11 मई 1953 को परमिट सिस्टम का उल्लंघन कर कश्मीर पहुंचे वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और विषम परिस्थितियों में 23 जून 1953 को उनका स्वर्गवास हो गया। यह उनका बलिदान था।

### डॉ. मुखर्जी ने बताया राष्ट्र के लिए कैसी हो हमारी दृष्टि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रवासियों को यह बताया कि राष्ट्र के लिए हमारी दृष्टि कैसी होनी चाहिए। आज भारत दुनिया का बड़ा लोकतांत्रिक देश है। स्वतंत्रता के समय हुई त्रुटियों को याद रखने की आवश्यकता है। डॉ. मुखर्जी जैसे महापुरूषों के योगदान का इसलिए निरंतर स्मरण करना जरूरी है। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी राष्ट्र के शत्रुओं को उनके घर में घुसकर मारने का हौसला रखते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम के लिए आयोजक और प्रतिभागियों, विशेष रूप से विद्यार्थियों को बधाई दी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री राजीव कुमार पांडे ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का कश्मीर के मुद्दे पर जो योगदान है उसके बारे में अक्सर चर्चा होती है।

# बरगी बांध के नौ गेट खुलने से नर्मदा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी, महाकौशल में बारिश का कहर बरकरार

• जबलपुर, एजेंसी

जबलपुर | बरगी बांध के जलस्तर को नियंत्रित रखने के लिए 21 में से नौ गेट रविवार दोपहर खोल दिए गए। इसके कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में लगभग पांच फीट की बढोतरी हुई है। बांध के नौ गेट को औसतन 1.33 मीटर खोला गया है।

गौरतलब है कि ऑपरेशन मैन्युल के अनुसार 31 जुलाई तक 417.50 मीटर रखा जाना प्रस्तावित है। बांध की अधिकतम जल भराव क्षमता 422.76 मीटर है। रविवार दोपहर 11 बजे बांध का जलस्तर बांध का जलस्तर 417.40 मीटर तक पहुंच गया था। बांध में 98 हजार 741 क्यूसेक पानी प्रवेश कर रहा था। बांध के जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए बांध के गेट को खोलने का निर्णय लिया गया था। दोपहर 12 बजे बांध के नौ गेट को औसतन 1.33 मीटर तक खोला गया। खोले गए गेटों से 52 हजार 195 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। बांध के नौ गेट में से तीन गेट को दो मीटर, दो गेट को डेढ़ मीटर, दो गेट को एक मीटर तथा दो गेट को आधा मीटर खोला गया है।

इसके कारण नर्मदा नदी के जलस्तर में लगभग पांच फीट की बढोतरी हो हुई है। बांध प्रबंधन ने लोगों से बाढ़ क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की है। मानसून के सक्रिय होने के कारण महाकौशल क्षेत्र में बारिश का कहर बरकरार है। डिंडौरी, मंडला सहित जबलपुर में बारिश के कारण नर्मदा नदी सहित उसकी सहायक नदियां उफान पर हैं। इसके कारण बरगी बांध में जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही थी।

# 'ठाकरे भाइयों के साथ आने से फडणवीस और महायुति नेता परेशान'; संजय राउत ने कसा तंज

• मुंबई, एजेंसी

मुंबई | राज्यसभा सांसद और शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र में सत्ताधारी महायुति गठबंधन पर निशाना साधा है। उन्होंने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे और शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के एक साथ आने से मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस समेत सत्तारूढ़ महायुति के नेता घबरा गये हैं।

संजय राउत ने कहा कि महायुति नेता और देवेंद्र फडणवीस दोनों ठाकरे के एक साथ आने से परेशान हैं। उन्होंने फडणवीस के उद्धव ठाकरे को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अब रोने का कार्यक्रम शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने 'हिंदी थोपे जाने के खिलाफ लड़ाई' जीत ली है। उन्होंने कहा कि दोनों ठाकरे भाइयों और अन्य सहयोगियों की एकता ने यह जीत हासिल की है।

संजय राउत ने कहा कि कई दक्षिण भारतीय राज्यों के नेताओं, खास तौर पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने जोर देकर कहा है कि वे केंद्र से लड़ सकते हैं। साथ ही हिंदी थोपने को उखाड़ फेंक सकते हैं।

बता दें कि उद्धव और राज ने शनिवार को संयुक्त रूप से मुंबई के वर्ली में 'आवाज मराठीचा' नामक एक विजय सभा का आयोजन किया था। इस समारोह के मंच पर दोनों ठाकरे भाई 20 साल बाद एक साथ नजर आए। इस विजय सभा में फडणवीस सरकार द्वारा राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने संबंधी दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाया गया।

इस दौरान उद्धव ने कहा कि हम साथ रहने के लिए साथ आए हैं। हम मिलकर मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र में सत्ता हासिल करेंगे। उन्होंने मराठी भाषा के मुद्दे से परे दोनों पार्टियों के बीच संभावित तालमेल का संकेत दिया।

# कांग्रेस का आरोप- केंद्र ने तोड़-मरोड़ कर पेश की विश्व बैंक की रिपोर्ट, भारत में बढ़ रही असमानता

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने विश्व बैंक की रिपोर्ट को तोड़-मरोड़कर पेश किया है, जबकि भारत में गरीबी और असमानता अभी भी गंभीर चिंता का विषय हैं और 28.1 फीसदी लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार समर्थक भारत को दुनिया के सबसे बराबरी वाले समाजों में से एक बताने का गलत दावा कर रहे हैं।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने रविवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि उसने 'भारत के लिए विश्व बैंक की पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' की रिपोर्ट को तोड़-मरोड़ कर पेश किया। उन्होंने कहा कि गरीबी और असमानता अभी भी 'गंभीर चिंता का विषय' हैं, जिसमें 28.1 फीसदी भारतीय गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार समर्थक अब विश्व बैंक के आंकड़ों को इस तरह से पेश कर रहे हैं कि भारत दुनिया के सबसे समान समाजों में से एक है। इसे उन्होंने हकीकत से विपरीत बताया।

कांग्रेस ने एक्स पर पत्र का एक अंश साझा करते हुए लिखा, विश्व बैंक ने अप्रैल 2025 में भारत के लिए अपनी गरीबी और समानता पर रिपोर्ट जारी की थी। इसके तीन महीने बाद मोदी सरकार के समर्थक इस रिपोर्ट के आंकड़ों को तोड़-मरोड़कर यह दावा करने लगे हैं कि भारत दुनिया के सबसे बराबरी वाले समाजों में से एक है — जो कि हकीकत से बिल्कुल विपरीत है और गलत दावा है।

# भारत में जश्न, चीन ने दोहराया अपना दावा, उत्तराधिकार विवाद गहराया

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | जश्न के बीच, भारत में चीनी राजदूत जू फेइहोंग ने शनिवार को एक बार फिर दोहराया कि दलाई लामा को यह तय करने का कोई अधिकार नहीं है कि पुनर्जन्म की परंपरा जारी रहेगी या खत्म हो जाएगी। बता दें, अगले दलाई लामा को लेकर चीन और दलाई लामा के समर्थकों के बीच लंबा विवाद चल रहा है। एक तरफ ऐसी अटकलें हैं कि दलाई लामा की परंपरा को ही खत्म कर दिया जाएगा।

14वें दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो का 90वां जन्मदिन धर्मशाला के दलाई लामा मंदिर 'सुगलागखांग' के मुख्य प्रांगण में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस खास मौके पर विभिन्न तिब्बती बौद्ध धर्मों के प्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों, अलग-अलग देशों के नर्तकों और गायकों, और दुनिया भर से आए बौद्ध धर्म के अनुयायियों ने भाग लिया। देश-विदेश से आए कई नेताओं ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और दलाई लामा के वैश्विक शांति और धार्मिक सद्भाव के प्रति समर्पण की तारीफ की।

जन्मदिन के समारोह में एक विशाल केक के सामने बैठे दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो ने कहा कि यह लोगों का प्यार है जो उन्हें सभी प्राणियों की सेवा के रास्ते पर चलते रहने के लिए प्रेरित करता है।

# सिंधिया के संज्ञान और प्रयासों से कोलारस-रन्नोद मार्ग पर सिंध नदी पर निर्माणाधीन बहुप्रतीक्षित पुल को मिली रफ़्तार

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी | प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में कार्य सुचारु रूप से प्रगति पर है और अनुमानित समयसीमा के भीतर पूर्ण होने की संभावना है। उक्त नदी दो स्ट्रीम में प्रवाहित होती है, जिन पर स्लैब निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है। अब पुल के दोनों छोर पर एबटमेंट निर्माण कार्य शेष है, जिस पर तीव्र गति से कार्य जारी है।

कोलारस/ शिवपुरी। कोलारस से रन्नोद मार्ग पर आवागमन को सुगम बनाने के लिए वर्षों से लंबित सिंध नदी पर पुल निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुँच चुका है। यह कार्य केंद्रीय मंत्री व क्षेत्रीय सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के व्यक्तिगत संज्ञान और सतत प्रयासों के कारण संभव हो पाया है। सिंधिया ने जनता की सुविधा और क्षेत्रीय मांग को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्वयं इस विषय को संज्ञान में लिया और संबंधित मंत्रालयों व अधिकारियों से समन्वय कर स्वीकृति तथा बजट को शीघ्रता से मंजूरी दिलाई।

अपने संसदीय क्षेत्र के विकास के लिये प्रतिबद्ध केंद्रीय सूचना एवं उत्तर- पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा क्षेत्रीय संपर्क और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सिंधिया के प्रयासों से स्वीकृत कोलारस से रन्नोद रोड (वाया भडोता मार्ग) पर सिंध नदी पर बन रहे सबमर्सिबल पुल का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर है।

सिंधिया के प्रयासों से मिली स्वीकृति

उक्त पुल कोलारस-रन्नोद क्षेत्र की जनता की एक पुरानी और बहुप्रतीक्षित मांग थी। लंबे समय से क्षेत्रवासी सिंध नदी में से होकर आवागमन करने को विवश थे, जिससे उन्हें बरसात के मौसम में विशेषकर भारी असुविधा का सामना करना पड़ता था। क्षेत्र की इस समस्या को स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने केंद्रीय मंत्री और गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया के समक्ष रख कर उक्त नदी पर एक पुल निर्माण की माँग की थी। सिंधिया ने त्वरित कार्यवाही की और इस महत्वपूर्ण परियोजना की स्वीकृति दिलवाने में निर्णायक भूमिका निभाई है।

### प्रगति पर है निर्माण कार्य

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में कार्य सुचारु रूप से प्रगति पर है और अनुमानित समयसीमा के भीतर पूर्ण होने की संभावना है। उक्त नदी दो स्ट्रीम में प्रवाहित होती है, जिन पर स्लैब निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है। अब पुल के दोनों छोर पर एबटमेंट निर्माण कार्य शेष है, जिस पर तीव्र गति से कार्य जारी है।

# लाल सागर में ब्रिटेन के जहाज पर हमला, दागी गोलियां और रॉकेट, हूती विद्रोहियों के शामिल होने की आशंका

**यमन के तट के पास रेड सी में एक जहाज पर सशस्त्र हमलावरों ने गोलियों और रॉकेट से हमला किया. जहाज की सुरक्षा टीम ने जवाबी फायरिंग की.**

• नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली | रेड सी में यमन के तट के पास एक जहाज पर हथियारों से लैस लोगों ने हमला कर दिया. हमलावरों ने जहाज पर बंदूकों और रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड्स (RPG) से हमला किया. जवाब में जहाज पर मौजूद सशस्त्र सुरक्षा टीम ने भी फायरिंग की. ब्रिटेन के यूनाइटेड किंगडम मरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने बताया कि जहाज की सुरक्षा टीम ने जवाबी कार्रवाई की. न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ने ब्रिटिश सैन्य समूह के हवाले से रविवार को यह जानकारी दी.

इस हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी संगठन ने नहीं ली है. अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं कि हमलावर कौन थे और उनका उद्देश्य क्या था. घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है.

### हूती विद्रोही पहले भी कर चुके हैं ऐसे हमले

हाल के महीनों में यमन के हूती विद्रोही समूह ने इस क्षेत्र में कई वाणिज्यिक और सैन्य जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं. वे यह हमले इजरायल द्वारा गाजा में की जा रही कार्रवाई के विरोध में कर रहे हैं. हालांकि, इस ताजा हमले में उनका नाम अभी तक सामने नहीं आया है.

# कल्चुरि काल की अद्भुत कलाकृति एवं धरोहर भैरव बाबा

• साधना एक्सप्रेस, रीवा

संजय तिवारी रीवा शहर से लगभग 27 किलोमीटर दूर गुढ़ कस्बें के निकट कैमोर पर्वत पर एक बड़े पत्थर पर तरासी गई भैरव बाबा की विशाल मूर्ति अपने कलाकृति एवं विशालता के कारण अद्वितीय है, कल्चुरि शासनकाल ईस्वी 500से 17वीं ईस्वी तक कल्चुरि नरेश कोकल्व देव प्रथम के पश्चात जिन त्रिपुरी कल्चुरि नरेशो के संबंध में अधिक जानकारी मिलती है वो है युवराज देव प्रथम आपने अपना विवाह चालुक्य नरेश अवनि वर्मा की पुत्री राजकुमारी नोहल्ला से किया, जो बड़ी ही शिव, विष्णु एवं देवी भक्त थीं। अपनी महारानी के प्रभाव से महाराज ने मध्यभारत के मात्यम्यूर मठ के प्रभाशिव नामक शैवाचर्य को अपने राज्य में आमंत्रित किए ,और आने पर उनके लिए वर्तमान रीवा शहर के पास गोर्गी नामक स्थान पर विशाल मठ एवं देवालय का निर्माण कराया तथा वहां रहने वाले आचार्यू के योग के लिए आसपास के बहुत से गांव दान किये थे। मध्य भारत से आए हुए प्रभाशिव आचार्य भैरव के भी उपासक थे एवं महारानी के शिव विष्णु एवं देवी भक्त होने के कारण महाराज द्वारा गोर्गी से थोड़ी दूरी पर कैमोर पर्वत पर एक विशाल शिला पर भैरव बाबा की विशाल मूर्ति तरासी गई थी। इतना ही नहीं बल्कि महारानी के देवी भक्त होने के कारण

महाराज ने भेड़ाघाट के पास 64 योगिनियों की भी स्थापना कराई थी, जो आज भी जबलपुर भेड़ाघाट मार्ग में 64 योगिनी के नाम से स्थापित है। सतना जिले के बेला बैजनाथ गांव में बैद्यनाथ शिवालय का निर्माण कराया तथा वहां महाराज युवराज देव प्रथम ने ईश्वर शिव नमक सेवाचार्य को बैद्यनाथ काआधिपत्य नियुक्त किया, जो एक विद्वान एवं धार्मिक प्रवृत्ति के ब्राह्मण थे इन्होंने ही बांधवगढ़ उमरिया में मत्स्य, कर्म,बाराह परशुराम एवं हल घर की बड़ी-बड़ी मूर्तियां खुदवाई थी ।महाराज युवराज देव के प्रथम पुत्र लक्ष्मण राज द्वितीय अपने पिता युवराज देव प्रथम की भांति विशाल शिवमठ एवं शिवालय सोन एवं गोपद नदी के संगम तट पर बनवाया था। जिसमें त्रिपुरी के शैवाचार्य प्रशांत शिव तपस्या किए थे उक्त स्थल आज भी भवरसेन के पास चंद्र मंदिर के नाम से जाना जाता है ।महाराज लक्ष्मण राज द्वितीय के पुत्र महाराज कर्ण देव ने नर्मदा के उद्गम स्थल अमरकंटक में विशाल शिव मंदिर की स्थापना किए थे, जिसे आज भी कर्ण देव मंदिर के नाम से जाना जाता है ।कल्चुरि नरेशों के शासनकाल में अनेक अनेक मंदिर एवं शिवालयों का निर्माण कराया गया ।जिसमें शबरी नारायण, करीतलाई ,बिलहरी ,प्रयागराज ,वाराणसी ,

रतनपुर एवं दक्षिण के क्षेत्र में भी मठ एवं मंदिरों का निर्माण कराया गया था कहा तो यहां तक जाता है कि महाराज कर्ण देव जिन्हें करण डहरिया के नाम से भी जाना जाता था। उनके पास पारस मणि थी इसी कारण महाराज प्रजा से कर के रूप में हल के फार एवं अन्य कृषि लोहे के औजार लिया करते थे , कल्चुरि शासन काल में इन तमाम स्थानों का बड़ा गौरव था महाराज स्वयं इन जगहों पर समय-समय पर पहुंच कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु उपासना एवं पूजन अर्चन करते थे ,साथ ही प्रजा जनों के बीच भी उक्त स्थान का बड़ा महत्व था 17वीं शताब्दी तक भारत के कभी बड़े तथा कभी छोटे भागों में कल्चुरियों का शासन रहा आया। किंतु 18 वीं शताब्दी के प्रारंभ में कल्चुरि शासन का सूरज अस्त हो गया ,तब उस समय के शासको ने कल्चुरि कालीन वैभव एवं कलाकृतियां के अस्तित्व को समाप्त करने का प्रयास किया। कुछ महत्वपूर्ण जगह सुरक्षित रहे उदाहरण स्वरूप बांधवगढ़ का किला जिसे रतनपुर के कल्चुरि नरेश सोम दत्त ने अपनी राजकुमारी पद्मकुवारी का विवाह महाराज व्याघ्र देव के पुत्र कर्ण देव के साथ करके बांधवगढ़ का किला दहेज में दिए थे ।और महाराज कर्ण देव ने बांधवगढ़ को ही अपनी राजधानी बनाया दुर्भाग्य कि कल्चुरि कालीन बड़ी-बड़ी धरोहर देखरेख के अभाव में नष्ट होती रही। और उन कलाकृतियों को यहां वहां स्थापित किया गया, गोर्गी मठ के विशाल दरवाजे को रीवा के ही रीवा राज्य के तत्कालीन महाराजा विश्वनाथ सिंह जू देव ने गोर्गी से उठाकर रीवा ले आए ,उनके पुत्र महाराज रघुराज सिंह जू देव रीवा जिले के पूर्वी भाग में लगवाया जिसे आज भी पुतरिहा दरवाजे के नाम से जाना जाता है गोर्गी की हरी गौरी की विशाल मूर्ति को गोर्गी से उठाकर महाराज गुलाब सिंह जू देव ने रीवा के घंटाघर कोठी कंपाउंड में लगवाया था, जो आज भी वहां स्थापित है। इतना ही नहीं कल्चुरि कालीन पाषाण में बनी कलाकृतियां प्रदेश एवं देश के कई संग्रहालय में रखी हुई है। समय बदला और 1985 में गुढ़ विधानसभा से पहली बार श्री नागेंद्र सिंह विधायक चुने गए और आपने क्षेत्र भ्रमण के दौरान भैरव बाबा पहुंचे ,माननीय श्री की पारखी दृष्टि भैरव बाबा पर पड़ी, आपने क्षेत्रीय जनों से भैरव बाबा के किम दंतियों को सुना और भैरव बाबा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए माननीय कृत संकल्पित हुए, एवं तब से लगातार माननीय अपने स्तर से प्रयास रत रहे आए ।समय और आगे बढ़ा प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला जी के समक्ष इस ऐतिहासिक धरोहर भैरव बाबा की जानकारी हुई ,माननीय भैरव बाबा पहुंच कर उक्त स्थल को जाना समझा माननीय का स्वभाव है ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों का संरक्षण एवं संवर्धन माननीय ने भैरव बाबा के स्थल को भैरव लोक के रूप में बनवाने का अपने अंत करण से निश्चय किया। और आज निरंतर नित्य नए-नए कार्य भैरवबाबा के स्थल में हो रहे हैं अभी 28 जून को उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला जी गुढ़ के यशस्वी विधायक श्री नागेंद्र सिंह जी भैरव बाबा लोक पहुंचकर पूजा अर्चना उपरांत वृक्षारोपण किया तथा माननीय उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला जी ने कहा भैरव बाबा के इस ऐतिहासिक स्थल को प्रदेश एवं देश के मानचित्र में ही नहीं बल्कि दुनिया के मानचित्र में इसे स्थापित करने का प्रयास किया जाएगा। जिससे हर पर्यटक जो यहां की यात्रा में आए तो भैरव बाबा लोक का दर्शन करें एवं उस पर्यटक के अंत करण में जब भैरव बाबा लोक की याद आए तो उनको पुनः भैरव बाबा के दर्शन की इच्छा मन में आए। निश्चित रूप से मध्य प्रदेश के यशस्वी उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला जी की सोच सिर्फ आज के लिए नहीं बल्कि सदियों के लिए है कि रीवा की गौरव गाथा विश्व के मानचित्र मे स्वर्णिम अक्षरों में लिखी रहे ।यह विंध्य आपकी उत्तोत्तर प्रगति एवं सप्तायु की कामना

# चहल कंपनी के ट्रकों के जाम से हाईवे 32 पर आवागमन बाधित

» रामनई स्थित चहल कंपनी द्वारा,हाईवे के नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां

» हाईवे के दोनों तरफ चहल कंपनी के ट्रकों के जाम के कारण, बड़ी दुर्घटना की आशंका ।

» 24 घंटे ट्रकों के जाम के कारण यातायात करने वालों को होती है भारी परेशानी।

• रीवा, प्रतिनिधि

ए पी शर्मा शासन प्रशासन मौन, कंपनी मालिक को शासन प्रशासन से कोई भय नहीं रीवा 1 रीवा अंतर्गत रामनई स्थित चहल कंपनी के सामने नेशनल हाईवे 32 पर सड़क के दोनों तरफ आए दिन लगातार 24सो घंटे कंपनी के ट्रैकों के खड़ा होने से जाम की स्थिति बनी रहती है। विगत कई वर्षों से चहल कंपनी के सामने नेशनल हाईवे 32 पर बेतरतीब गाड़ियां खड़ी करने से यातायात में व्यवधान उत्पन्न होता रहता है। कई वार क्षेत्रीय जनों द्वारा इसका विरोध भी किया गया। क्षेत्रीय जनों द्वारा शासन प्रशासन को अवगत भी कराया गया। लेकिन आज तक शासन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया ,और न ही कार्यवाही की गई। आपको बता दें कि हाईवे के दोनों तरफ कंपनी के ट्रकों के जाम के कारण हरदम कोई बडीअप्रिय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है ।ट्रकों के रोड में खड़े होने के कारण यातायात करने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। रामनई स्थित चहल कंपनी के द्वारा नेशनल हाईवे के सभी नियमों को ताक में रखकर नियमों का उल्लंघन करते हुए नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। जबकि कंपनी के मालिक को यह नहीं पता कि हाईवे में जाम लगने पर कानूनी कार्रवाई की जा सकती है जिसमें जुर्माना व सजा दोनों शामिल हो सकते हैं । नेशनल हाईवे जाम करना गैर कानूनी अपराध की श्रेणी में आता है। जबकि कंपनी के मालिक को इस बात का ध्यान होना चाहिए कि हाईवे रोड पर मोटर वाहनों का जाम लगाने पर मोटर वाहन अधिनियम 1988 और राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम 1956 के तहत कार्रवाई की जा सकती है। मुख्य रूप से सड़क पर अनियंत्रित रूप से वाहन खड़े करने या जाम लगने से यातायात बाधित होता है, जो इन कानूनो का उल्लंघन है। जबकि यह ज्ञात होना चाहिए की सड़क में बाधा डालना लोगों को आने जाने के लिए बनाई गई सड़कों, राष्ट्रीय राजमार्गों को बंद करने या उनके रास्तों को रोकने वालों पर सेक्शन283 के तहत कार्यवाही की जा सकती है। जबकि विगत माह समाचार पत्रों और चैनलों में इस खबर का प्रकाशन और प्रसारण भी हो चुका है और इस मामले पर हमारे संवाददाता द्वारा तत्कालीनअनुविभागीय अधिकारी रायपुर कर्चुलियान से बात भी की गई थी तो उनके द्वारा आश्वासन दिया गया था कि देखते हैं, लेकिन अभी तक कोई प्रक्रिया नजर नहीं आई। अभी एक हफ्ते पहले उनका स्थानांतरण भी अन्यत्र जगह हो गयाहै ।अभी भी स्थिति ज्यों की त्यों है ,जबकि सभी प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का आवागमनभी उक्त मार्ग से ही होता है, और देखते भी है कि जाम लगा है फिर भी स्थिति में सुधार नहीं किया जा रहा। हमारे संवाददाता द्वारा कंपनी के मालिक के भाई से बात की गई तो शासन प्रशासन का मजाक उड़ाते हुए कहां कि कुछ होने वाला नहीं है आप लोग भी मतलब के परेशान है, (एक कहावत बनी है कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे )कंपनी मालिक के बातों से ऐसा लग रहा था कि शासन प्रशासन का उसे कोई खौफ नहीं है ।और शासन प्रशासन भी चुप्पी साधे हुए हैं, इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कहीं ना कहीं से कंपनी मालिक को संरक्षण मिल रहा है। लोगों का कहना हैशासन प्रशासन को इस मामले को संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्यवाही करनी चाहिए नहीं तो कभी भी किसी भी समय कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

# शाहनगर क्षेत्र में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त

## केन नदी में पुल से ऊपर पानी होने से दर्जनों ग्रामों का संपर्क टूटा

• रीवा, प्रतिनिधि

शाहनगर। लगातार रुक-रुक कर हो रही मूसलाधार बारिश के चलते शाहनगर जन जीवन अस्तित्व हो चुका है। केन नदी में पुल के ऊपर पानी होने के कारण रैपुरा बोरी मार्ग, मैहर सतना मार्ग, सलेहा मार्ग सहित दर्जनों ग्रामों का संपर्क जनपद मुख्यालय शाहनगर से टूट चुका है। सुबह से सैकड़ों लोग शाहनगर में नदी का जलस्तर घटने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वह अपने गांव की ओर रवाना सकें। बताया गया है कि शाहनगर में केन नदी पर पुराना पुल काफी पुराना व छोटा है, पुल के काफी ऊपर से पानी जा रहा है। क्षेत्रीय लोगों के द्वारा बड़े पुल के निर्माण के साथ-साथ चौड़ी सड़क के निर्माण की भी मांग उठाई जा रही है ताकि बारिश के दिनों में आवागमन प्रभावित न हो सके।

# भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा वापसी के दौरान भी कीचड़ से निकाले गए रथ

• पन्ना, प्रतिनिधि

पन्ना। पवित्र नगरी पन्ना में भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा के दौरान प्रशासनिक लापरवाही चरम पर बताई जा रही है। रथ यात्रा रवाना होने के दौरान भी विश्राम स्थल मार्गों पर कीचड़ की समस्या रही है और वापसी के दौरान भी विश्राम स्थल मार्गों पर कीचड़ से रथों को गुजरना पड़ रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने से भगवान जगन्नाथ स्वामी के भक्तों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों के द्वारा इस लापरवाही पर नाराजगी जताई गई है, लेकिन नगर पालिका एवं जिला प्रशासन के द्वारा इस समस्या को अनदेखा किया जा रहा है। 4 अप्रैल 2025 को भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा जनकपुर से पन्ना के जगदीश स्वामी मंदिर की ओर रवाना होकर पुरुषोत्तमपुर में विश्राम करेगी और अगले दिन रवाना होकर पन्ना पहुंचेगी ऐसा पहली बार देखा जा रहा है जब भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा मार्ग पर एक के बाद एक बाधाएं आ रही हैं।

# मौत के नाले में जिंदगी दांव पर: पन्ना में जान जोखिम में डालकर स्कूल जाने को मजबूर नौनिहाल

• पन्ना, प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश के पन्ना में हर साल की तरह इस साल भी मानसून ने दस्तक दे दी है, और एक बार फिर पन्ना जिले के कई गांवों के छात्र-छात्राएं अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। बृजपुर क्षेत्र के राहुनिया ग्राम पंचायत में 'मौत का नाला' के नाम से कुख्यात एक बरसाती नाले को पार कर ये बच्चे हर दिन शिक्षा के मंदिर तक पहुंचते हैं, लेकिन किसी भी बड़े हादसे का डर लगातार बना रहता है। स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारी इस गंभीर समस्या पर आंखें मूंदे हुए हैं, जिससे अभिभावकों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। बतादें की आज दिन शुक्रवार दिनांक 4 जुलाई को शाम करीब 4 बजे स्कूली छात्रों व अभिभावकों ने बताया कि बारिश के मौसम में छोटी-छोटी नदियां और बरसाती नाले उफान पर आ जाते हैं, जिन्हें पार करना किसी बड़े खतरे को मोल लेने जैसा है। ऐसे ही एक नाले को स्थानीय लोग 'मौत का नाला' कहते हैं, जहां जरा सी चूक बच्चों की जिंदगी पर भारी पड़ सकती है। छोटे-छोटे बच्चे, जिनके कंधों पर बस्ते का बोझ और आंखों में भविष्य के सपने होते हैं, उन्हें अपने पैरों पर संतुलन बनाते हुए इस खतरनाक नाले को पार करना पड़ता है। कई बार तो वे एक-दूसरे का हाथ पकड़कर या अभिभावकों की मदद से नाले को पार करते देखे जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है गांव के कक्षा 1 से आठवीं तक के सभी बच्चे माध्यमिक शाला पाली अध्ययन के लिए जाते है यह समस्या सालों से चली आ रही है। हर साल मानसून में स्थिति और बदतर हो जाती है, लेकिन प्रशासन की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। 'क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?' यह सवाल अब ग्रामीणों की जुबान पर है। उनका कहना है कि अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह से प्रशासन की होगी।

# जलसंकट, एकमात्र हैंडपंप के भरोसे सैकड़ों ग्रामीण

• रिछाई, प्रतिनिधि

रिछाई (जबेरा)। ग्राम पंचायत रिछाई में लंबे समय से पेयजल संकट गंभीर बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पूरे गांव की जरूरतें सिर्फ एक ही हैंडपंप से पूरी की जा रही हैं। हैंडपंप के चारों ओर कीचड़ और गंदगी फैली रहती है, लेकिन ग्रामीणों को मजबूरी में इसी पानी का उपयोग करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद आज तक ग्राम सरपंच ने पानी की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किए। यदि समय रहते ध्यान दिया जाता, तो गांव की पेयजल समस्या काफी हद तक सुलझाई जा सकती थी। अब बारिश के आगामी चार महीनों में हालात और खराब होने की आशंका है, जिससे ग्रामीणों की परेशानी और बढ़ सकती है।

ग्राम पंचायत रिछाई के सरपंच गौरव कुमार गोस्वामी ने बताया कि वे बीते एक वर्ष से लगातार पीएचई विभाग को लिखित पत्र भेजकर ग्राम में पेयजल संकट की समस्या से अवगत करा रहे हैं, लेकिन आज तक विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सरपंच ने बताया कि ग्रामवासी पानी लाने-ले जाने में काफी परेशानी का सामना कर रहे हैं। हालांकि नल-जल योजना के तहत दो से तीन दिन में एक बार जल आपूर्ति की जाती है, जो पर्याप्त नहीं है।

# शहीद स्थल पर युवाओं ने किया पौधारोपण

• दमोह, प्रतिनिधि

दमोह, नरसिंहगढ़ नगर में भारतीय युवा संगठन के तत्वावधान में रविवार को नवनियुक्त अध्यक्ष माधव सिंह लोधी के नेतृत्व में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संगठन के पौधारोपण प्रभारी जय उपमन्यु ने स्व. पंडित श्री प्रशांत श्रीधर जी की स्मृति में 11 पौधे रोपे।

युवा संगठन पिछले डेढ़ दशक से नरसिंहगढ़ स्थित शहीद स्थल के विकास के लिए शासन-प्रशासन से लगातार मांग करता आ रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्य नहीं हो सका। संगठन का प्रयास शहीद स्थल के समग्र विकास के लिए जारी है।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष नरेश पटेल, संगठन मंत्री राहुल दुबे, मीडिया प्रभारी शुभम प्रजापति, कोषाध्यक्ष रीतेश सिंह लोधी, प्रभारी हरगोविंद पटेल, गोविंद पटेल, शिवम् पटेल, पंकज, हर्ष पटेल, मोहन पटेल सहित कई युवा विशेष रूप से उपस्थित रहे

## सार समाचार

### नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल का स्वागत समारोह संपन्न

**भोपाल।** विधायक एवं भाजपा के नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल का स्वागत समारोह संपन्न हुआ। स्थानीय रविन्द्र भवन में शुक्रवार को आयोजित समारोह में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, सांसद आलोक शर्मा, विधायकद्वय रामेश्वर शर्मा व भगवानदास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, महापौर परिषद के सदस्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र यती, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचैरी, पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह के अलावा हितानंद शर्मा, राहुल कोठारी, श्रीमती सीमा सिंह, महेन्द्र सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

### सनातन धर्म रक्षा के लिए युवाओं में धर्म आस्था जरूरी-शैलेन्द्र कृष्ण

**भोपाल।** रसधाम ग्रार्डन, पीपूल्स माल के सामने करोंद भोपाल में चल रही श्रीमद भागवत कथा के द्वितीय दिवस वृन्दावन धाम से पधारे श्रीमद्भागवत कथा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं धर्मपथिक की उपाधि से अलंकृत पूज्य शैलेन्द्र कृष्ण महाराज ने श्रीमद्भागवत के विविध संवाद श्रवण कराकर श्रोताओ को सनातन धर्म से जोड़ा ,महाराज जी ने कहा कि जिसके न प्रारम्भ का पता हो न अंत का उसी का नाम सनातन है, जो नित्य है शास्वत है जहां सभी जीवों को अभय आश्रय दिया जाता है उसी का नाम सनातन धर्म है,भगवान लक्ष्मी नारायण राम कृष्ण देवी दुर्गा शिव सूर्यनारायण की पूजा होती यही सनातन है,जहां स्त्री को देवी मां बहन जैसे आदर के शब्दों से सम्मान दिया जाता है यही सनातन है,हम सौभाग्यशालि है कि हमारा जन्म इतने पवित्र धर्म सनातन में हुआ है महाराज जी ने आगे कहा कि धर्म तो मात्र एक ही जिसका नाम सनातन है बाकि तो मजहव सम्प्रदाय पंथ हो सकते धर्म नही, मै आहावान करता हूं सनातन धर्म रूपी बट बृक्ष की छाया में आओ अभय प्राप्त होगा, मैं व्यासपीठ से सनातन धर्म के युवा भाई बहिनो से निवेदन करता हूं कि आप इस देश की एवं धर्म की धुरी हो अर्थात सनातन धर्म की ध्वजा नित्य निरंतर देश दुनिया मे फहराने के लिए भारत के युवाओ को धर्म से मजबूती से जुड़ना होगा। कथाओ को सुनने के लिए भी समय देना होगा। मंदिर में जाकर भगवान के दर्शन करना होगा एवं सनातन धर्म के विषय मे जन जन में जागृति लानी होगी। कथा में महाराज जी ने भक्तो के लिए गौकर्ण उपाख्यान श्रवण कराया। भावपूर्ण भक्ति में डूबा दूसरा दिवस- महाराज शैलेंद्र कृष्ण शास्त्री के निज सचिव राजेश राय ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के पावन आयोजन का दूसरा दिन भक्तिभाव, सत्संग और अध्यात्म से ओतप्रोत रहा। धर्मपथिक पूज्य शैलेन्द्र कृष्ण महाराज की दिव्य वाणी से श्री नारद चरित्र और ध्रुव चरित्र की कथा प्रसंग सुन भक्तों की आंखें नम हो गईं और हृदय में भक्ति की लहरें दौड़ पड़ीं। कथा के दौरान महाराज श्री ने बताया कि–सच्चे मन से भगवान का स्मरण करने वाले बालक ध्रुव की तरह, कोई भी भक्त प्रभु की अनुकंपा का पात्र बन सकता है। नारद जी का जीवन हमें प्रेरणा देता है कि दुखों से सीख लेकर जब हम प्रभु के शरणागत होते हैं, तभी जीवन का कल्याण होता है। कीर्तन, भजन और झूमते श्रद्धालु- कथा के दौरान भावविभोर भजनों पर भक्तगण झूम उठे। भज मन नारायण नारायण... जैसे मधुर भजनों ने वातावरण को अलौकिक बना दिया। प्रसाद वितरण एवं सेवा- कथा के समापन पश्चात सभी भक्तों को दिव्य प्रसाद वितरित किया गया। सेवादारों ने श्रद्धा भाव से सहयोग करते हुए प्रसाद वितरण, जल व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा।

### मप्र के 27 से अधिक जिलों में बारिश...मंडला में सडक बही

**भोपाल।** मप्र में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। प्रदेश में शुक्रवार को 27 से अधिक जिलों में बारिश हुई। 9 घंटे में जबलपुर में 72 मिमी यानी, करीब 3 इंच पानी गिर गया। मंडला के मनेरी में एक सडक बह गई। हाईवे पर पेड़ गिरने से बालाघाट से आ रही बारात भी वहां पर फंस गई। मंडला में भारी बारिश से नेशनल हाईवे-30 पर लैंड स्लाइड के कारण जबलपुर-मंडला मार्ग बंद हो गया है। यहां नर्मदा नदी का जलस्तर वॉर्निंग लेवल पर पहुंच गया है। जिले के कारिया गांव में पानी ज्यादा भरने से एसडीईआरएफ लोगों तक नहीं पहुंच पा रही है। जबलपुर से करीब 30 किलोमीटर दूर ग्राम सलैया में गैस सिलेंडर से भरा एक ट्रक डूब गया। ड्राइवर को मना करने के बावजूद वह पानी में से ट्रक निकाल रहा था। लेकिन तेज बहाव में ट्रक बहने लगा। चालक और उसका साथी नदी में कूद गए। देखते ही देखते ट्रक बह गया। डिंडौरी में भारी बारिश के चलते कलेक्टर नेहा माराव्या ने 5 जुलाई को कलेक्टर ने जिले के सभी हाईस्कूल तक की छुट्टी घोषित कर दी है। जिले की सिवनी नदी का पानी पुल पर आने से जबलपुर-अमरकंटक नेशनल हाईवे बंद हो गया है। नर्मदा नदी में मंदिर डूब गया। बारिश से बिगड़े हालात मप्र के कई जिलों में बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। डिंडौरी जिला अस्पताल परिसर में पानी भर गया। जेसीबी की मदद से पानी निकाला गया। गुना में लगातार भारी बारिश से कई इलाकों में तीन फीट तक पानी भर गया है। टीकमगढ़ में कई इलाकों में जलभराव हो गया है। मंडला में लगातार बारिश से नदी-नाले उफान पर है। नदी-नालों और पुल-पुलियों के पास पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। भारी बारिश के चलते एक सड़क भी बह गई। ग्वालियर में हो रही बरसात के चलते तिघरा डैम का जलस्तर भी बढ़ रहा है। यहां कई लोग ये नजारा देखने परिवार और दोस्तों के साथ पहुंच रहे हैं। मंदिर पर गिरी बिजली शिवपुरी जिले के करैरा कस्बे में शुक्रवार दोपहर एक बजे से बारिश होने लगी। दोपहर करीब साढ़े 4 बजे प्राचीन बगीचा सरकार के राम मंदिर के ऊपर आकाशीय बिजली गिर गई।

# हमीदिया अस्पताल में अतिक्रमण का मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचा

## हरा रंग पोत कर लगा दिया था धार्मिक झंडा

**भोपाल।** राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल की बाउंड्री बाल में कुछ लोगों ने हरे रंग का पेंट कर-के वहां धार्मिक झंडा लगा दिया था। जिसके बाद से जूनियर डॉक्टर ने विरोध शुरू कर दिया और थाने में शिकायत की। अब यह शिकायत प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुंच गई है। जूनियर डॉक्टरों ने पत्र लिखकर मुख्यमंत्री को बताया है कि किस तरह से हमीदिया अस्पताल के परिसर में लगातार अतिक्रमण बढ़ रहा है। अस्पताल परिसर में हो रहे अतिक्रमण को लेकर जूनियर डॉक्टर

एसोसिएशन ने मोर्चा खोला दिया है। संगठन के अध्यक्ष डॉ कुलदीप गुप्ता का कहना है कि अस्पताल परिसर में लगातार हो रहे धार्मिक अतिक्रमण से बाहरी लोगों का लगातार आना जाना लगा रहता है जिससे अस्पताल परिसर की सिक्योरिटी एवं सेफ्टी पर समस्याएं खड़ी हो रही है। लगातार डॉक्टरों के साथ कर्मचारीयो के साथ दुर्व्यवहार के मामले सामने आ रहे हैं। हमारा यही मानना है अस्पताल परिसरों को सुरक्षित किया जाए, जिससे डॉक्टर अपने रोगियों की सेवा पूरी तन्मयता निर्भयता के साथ और पूरी लगन के साथ कर सके। निरंतर धार्मिक अतिक्रमण की समस्या सीएम से शिकायत में कहा गया है कि गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं हमीदिया चिकित्सालय, भोपाल जो कि राज्य का एक प्रमुख चिकित्सा एवं शैक्षणिक संस्थान है, वर्तमान में निरंतर धार्मिक अतिक्रमण की समस्या से ग्रसित हो रहा है। यह अतिक्रमण बाहरी व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा है। जिसमे परिसर के अंदर के लोग भी इन गतिविधियों को संचालित करने के लिए सहयोग कर रहे है। जो न केवल संस्थान की गरिमा को ठेस पहुंचा रहा है, बल्कि चिकित्सा सेवाओं एवं शैक्षणिक वातावरण में भी बाधा उत्पन्न कर रहा है। लगातार बाहरी लोगों के द्वारा अनुचित और अनैतिक गतिविधियां संचालित हो रही हैं जिससे महिला डॉक्टर्स की सुरक्षा के साथ बड़ी लापरवाही भी सामने आई है। **सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित-** शिकायत में कहा गया है कि यह अत्यंत खेदजनक है कि यह परिसर, जो केवल चिकित्सा शिक्षा एवं मरीजों की सेवा के लिए समर्पित है, वहां धार्मिक गतिविधियां एवं असंवैधानिक अतिक्रमण बढ़ते जा रहे हैं। इससे न केवल सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि रोगियों, चिकित्सकों, और विद्यार्थियों को मानसिक तनाव एवं असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यह कोई पहला मामला नहीं है जब हमीदिया अस्पताल परिसर में धार्मिक अतिक्रमण हुआ हो। पिछले साल भी लाइब्रेरी के पास बनी एक मजार को बढ़ाने को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। उस समय सिटी एसडीएम ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर अतिक्रमण को चिह्नित किया था। इसके बाद जिला प्रशासन, गांधी मेडिकल कॉलेज, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम और अन्य विभागों की संयुक्त बैठक कर कार्रवाई करने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

## मेडिकल एजुकेशन में माफिया राज का पदार्फाश...

# सीबीआई जांच में मंत्रालय से लेकर मेडिकल कॉलेज तक भ्रष्टाचार वाला गठजोड़ उजागर

## सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की, छापेमार कार्रवाई शुरू

**जीतू लाल मीना, एनएमसी अधिकारी पर आरोप है कि रिश्वत का बड़ा हिस्सा राजस्थान में मंदिर निर्माण में लगाया।**

**भोपाल/नई दिल्ली।** मेडिकल एजुकेशन क्षेत्र में एक बड़े भ्रष्टाचार नेटवर्क का पदार्फाश हुआ है, जिसमें स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी), निजी मेडिकल कॉलेजों, फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) और यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष तक का नाम सामने आया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले में अनेक जिम्मेदारों पर एफआईआर दर्ज करते हुए देशभर में छापेमारी की कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारियां शुरू कर दी हैं। जानकारी अनुसार मेडिकल शिक्षा से जुड़ा यह घोटाला महज कागजी हेरा-फेरी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें नकली प्रोफेसर, फर्जी मरीज, क्लोन फिंगरप्रिंट, हवाला नेटवर्क, और सरकारी अधिकारियों

की सीधी मिलीभगत तक सामने आ चुकी है। सीबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, मेडिकल और फामेर्सी कॉलेजों को मान्यता दिलवाने के लिए, गोपनीय निरीक्षण तिथियाँ, मूल्यांकनकर्ताओं की जानकारी और आंतरिक रिपोर्टें पैसे लेकर कॉलेजों तक पहुंचाई जाती थीं। इससे कॉलेज फर्जी व्यवस्थाएं खड़ी कर लेते थे। जैसे कि अस्थायी डॉक्टरों को स्थायी फैकल्टी बताना, बायोमेट्रिक सिस्टम में क्लोन फिंगर इम्प्रेशन डालना, मरीजों की झूठी जानकारी तैयार करना और देना, निरीक्षकों को घूस देना आदि। फजीर्वाड़े के प्रमुख आरोपीगणों में मोंटू कुमार पटेल, अध्यक्ष, फामेर्सी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) का नाम आया है, जिन पर कॉलेजों को मंजूरी देने में भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। डी.पी. सिंह, चांसलर, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज व पूर्व यूजीसी अध्यक्ष का भी एफआईआर में नाम दर्ज है। सुरेश सिंह भदौरिया, चेयरमैन, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज, इंदौर का फर्जी डिग्री रैकेट, घोस्ट फैकल्टी, और गोपनीय जानकारी के लीक मामले में मुख्य आरोपी बनाया गया है। फिलहाल ये फरार बताए गए हैं और सीबीआई की छापेमारी जारी है। मयूर रावल, रजिस्ट्रार, गीतांजलि यूनिवर्सिटी, उदयपुर का नाम मान्यता दिलवाने में संलिप्तता पाए जाने में है। जीतू लाल मीना, एनएमसी अधिकारी पर आरोप है कि रिश्वत का बड़ा हिस्सा राजस्थान में मंदिर निर्माण में लगाया। चंदन कुमार और राहुल श्रीवास्तव, स्वास्थ्य मंत्रालय, अनुमोदन पत्र (10ए) जारी करने में घूसखोरी के आरोपी हैं। रिश्वत का नेटवर्क गुड़गांव का वीरेंद्र कुमार – मुख्य बिचौलिया। हवाला चैनल से रिश्वत देशभर में भेजी जाती थी। आंध्र प्रदेश, हैदराबाद, विशाखापत्तनम में नेटवर्क सक्रिय। नकली प्रोफेसरों की आपूर्ति और डॉक्युमेंटेशन की फैक्ट्री जैसा तंत्र विकसित। एक कॉलेज से 50 लाख की डील, जिसमें अधिकारियों और बिचौलियों को हिस्सेदारी। इंदौर के मेडिकल कॉलेज का सबसे बड़ा फजीर्वाड़ा आरोप है कि सुरेश भदौरिया ने घोस्ट फैकल्टी और फर्जी डिग्री के माध्यम से मान्यता प्राप्त की। मालवांचल विश्वविद्यालय के नाम पर अयोग्य लोगों को डिग्री दी जाती थी। फैकल्टी की बायोमीट्रिक हेराफेरी के लिए क्लोन फिंगरप्रिंट बनाए गए। इन तमाम मामलों को लेकर सीबीआई ने तीन से अधिक ठिकानों पर छापे मारे, लेकिन आरोपी भदौरिया फरार हो गया। मेडिकल एजुकेशन की साख पर सवाल देशभर के मेडिकल संस्थानों की मान्यता और गुणवत्ता को लेकर अब गहरे सवाल उठ खड़े हुए हैं। यदि यह तंत्र वर्षों से सक्रिय था, तो यह न केवल हजारों मेडिकल छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है, बल्कि यह देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की जड़ों में दीमक जैसा साबित हो सकता है। जानकारों की मानें तो सीबीआई की यह जांच मेडिकल एजुकेशन सिस्टम में गहराई से जड़ें जमा चुके भ्रष्टाचार को उजागर करती है। सवाल यह भी उठता है कि क्या आने वाले समय में ऐसे कॉलेजों से पढ़े डॉक्टरों पर जनता का भरोसा बना रह पाएगा? अब निगाहें इस पर हैं कि सरकार और न्याय प्रणाली इस मामले में कितनी पारदर्शिता और सख्ती से कार्रवाई करती है।

### शहरी स्थानीय निकाय हमारे लोकतंत्र की नींव

**भोपाल।** गुरुग्राम की पुण्यभूमि मानेसर में आयोजित शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के राष्ट्रीय सम्मेलन में मध्य प्रदेश मॉडल स्टेट के रूप में उभर करके सामने आया। सम्मेलन के अंतिम दिन मध्य प्रदेश के शहरी विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी पहुंचे। यहां उन्होंने राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों के प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साल 2014 के बाद से शहरी स्थानीय निकाय के बजट में काफी वृद्धि हुई है। शहरी स्थानीय निकाय हमारे लोकतंत्र की नींव है। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की जड़ें जितनी गहरी और स्थानीय स्तर पर सिंचित होंगी, हमारा राष्ट्र उतना ही सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनेगा। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने शहरी स्थानीय निकायों में जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। इंदौर का उदाहरण को देते हुए जनभागीदारी के बारे में बताया। उन्होंने बीते समय की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि एक बार इंदौर नगर निगम में फंड की कमी हो गई थी। तब उन्होंने आमजन से सीमेंट के लिए बोला था। उस दौरान जनभागीदारी की पहल से उनके पास 80 करोड़ रुपये की सीमेंट इक्ठा हुई थी। इसी सीमेंट से फिर सडकों का निर्माण कराया गया। ये जन सहभागिता की सफलता का प्रमाण है। आज अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के पावन अवसर पर उन सभी सहकारी संस्थाओं को हार्दिक शुभकामनाएं, जो राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय सहकारिता मंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन में भारत में सहकारिता एक नई ऊर्जा और विस्तार के साथ आगे बढ़ रही है।

# गंभीर रोगियों के लिए एम्स में पेलिएटिव केयर यूनिट

## अब अंतिम चरण में मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक सहारा भी मिलेगा

**भोपाल।** कैंसर समेत अन्य गंभीर रोगियों के लिए एम्स भोपाल में पेलिएटिव केयर यूनिट शुरू की गई है। ये यूनिट रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में आने वाले उन मरीजों के लिए तैयार की गई है, जो कैंसर या इस तरह के अन्य जीवन घातक रोग से ग्रसित हैं। यहां उन्हें इलाज के साथ मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक सहारा भी दिया जाएगा। इस यूनिट की शुरूआत फिलहाल 10 बेड के साथ की गई है। इसके उद्घाटन के दौरान एम्स के डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने कहा कि पेलिएटिव केयर यूनिट केवल एक चिकित्सा सुविधा नहीं, बल्कि गरिमा, संवेदना और समग्र देखभाल का प्रतीक है। यह वार्ड कैंसर मरीजों और उनके परिजनों

की पीड़ा को कम करेगा। कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से जूझते मरीज शारीरिक नहीं, मानसिक और भावनात्मक रूप से भी टूट जाते हैं। ऐसे में पेलिएटिव केयर उन्हें एक ऐसा सहारा देती है, जो इलाज के पार भी साथ रहता है। इसमें सम्मान, समझदारी और सहजता के साथ मरीजों को डील करने पर फोकस होता है। जिससे गंभीर बीमारी के अंतिम चरण में भी मरीजों को गरिमापूर्ण और स्नेहभरा वातावरण मिल सके। यह चिकित्सा से आगे एक मानवीय पहल मानी जाती है। यूनिट के लिए विशेष टीम तैनात इस यूनिट की खास बात है टीम आधारित देखभाल प्रणाली। जिसमें डॉक्टर, नर्स, काउंसलर और सामाजिक कार्यकर्ता मिलकर मरीज की सभी आवश्यकताओं का ध्यान रखते हैं। यह टीम विशेष रूप से इस यूनिट के लिए तैनात की गई है।

# परस्पर स्वावलंबन के साथ जीने का ही नाम है सहकारिता

## अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर सहकारी युवा संवाद में सीएम बोले...

**भोपाल।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को नया मंत्र दिया है। सहकारिता के साथ लोकतंत्र की भावना के साथ देश आगे बढ़ रहा है। परस्पर स्वावलंबन के साथ जीने का नाम ही सहकारिता है। इस मंत्र पर देश और प्रदेश में काम किया जा रहा है। हर दिन नए आंकड़े सामने आ रहे हैं। विद्यार्थियों वास्तविक जीवन जीकर जानकारी और अनुभव हासिल करते हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को कही। सीएम डॉ. यादव अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के मौके पर भोपाल के समन्वय भवन में आयोजित सहकारी युवा संवाद को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कई युवाओं के साथ संवाद भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कॉलेज की पढ़ाई मात्र किताबी ज्ञान तक सीमित रहती है। हमारा प्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से भरा है। इसे नदियों का मायका भी कहा जाता है। आधुनिकता के इस दौर में औद्योगिकीकरण की जरूरत है। इसीलिए हमने उद्योगों को बढ़ावा दिया है। उद्योगों के बढ? से प्रदेश में मौजूद वस्तुओं की कीमत बढ़ी है। युवाओं को नई दिशा और रोजगार के अवसर मिले हैं।

### साकार करना है पीएम मोदी का सपना

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हर व्यक्ति के सपनों को पंख मिलें। हमारी कामना है कि उन्नति के दरवाजे सबके लिए खुलें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2047 तक भारत नंबर वन बनेगा, इसके प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी सहकारिता का सबसे बड़ा उदाहरण हमारी धार्मिक गतिविधियां हैं, जो बिना सबके कल्याण के पूरी नहीं होती।

### सहकारिता को आत्मसात करने की जरूरत

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सहकारिता नए आंदोलन के रूप में लगातार आगे बढ़ रही है। अलग -अलग स्तर पर सहकारिता विकास कर रही है। जहां व्यक्ति है वहां सहकारिता है। सहकारिता रोजमर्रा की जिंदगी को सहज बनाने के लिए है। इसे जीवन में आत्मसात करना होगा तभी जीवन में बदलाव आएंगे। सहकारिता सोसायटी और रोजगार नहीं बल्कि समाज का निर्माण है। इसके पहले कार्यक्रम के शुरूआत में एसीएस सहकारिता अशोक बर्णवाल ने कहा कि युवा पीढ़ी को सहकारिता की समझ के लिए यह कार्यक्रम हो रहा है। हमारा समाज ही सहकारिता के कांसेप्ट पर बना है। सहकारिता कम्पनी या आगेर्नाइजेशन से भिन्न है। सहकारी समिति में सभी को वोट देने का बराबर का अधिकार होता है। सहकारी समिति के पंजीयन में होने वाली दिक्कतों का समाधान मुख्यमंत्री के निर्देश पर हो चुका है। आने वाले समय में मौजूदा परिस्थितियों के हिसाब से बदलाव किए जाते रहेंगे।

# भोपाल रेल मंडल में कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन

**भोपाल।** वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के बैनर तले भोपाल मंडल के रनिंग स्टाफ ने रेलवे बोर्ड और जोनल रेलवे की कथित तानाशाही के खिलाफ सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने विभाग द्वारा दिए गए सीयूजी सिम को जेब में रखकर प्रतीकात्मक रूप से उसका उपयोग बंद कर दिया और अंतिम दिन डीआरएम ऑफिस के बाहर सिम की अर्थी निकाल कर प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई। प्रदर्शन का नेतृत्व मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा ने किया। मुख्य शाखा सचिव अनिरुद्ध सोनी ने बताया कि रनिंग स्टाफ लंबे समय से प्रताडना झेल रहा है, लेकिन बार-बार शिकायतों के बावजूद रेलवे प्रशासन का रवैया उदासीन बना हुआ है। कर्मचारियों की शिकायतें न केवल अनसुनी की जा रही हैं, बल्कि उनकी परेशानियों में निरंतर इजाफा हो रहा है। संघ ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही रनिंग स्टाफ की मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो संघ के नेतृत्व में कर्मचारी बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

# मृत्यु को भी महोत्सव बनाती है श्रीमद्भागवत कथा शैलेन्द्र कृष्ण

**भोपाल।** वृंदावन धाम के सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय कथा वाचक धर्मपथिक पूज्य शैलेन्द्र कृष्ण महाराज के दिव्य सान्निध्य में रसधाम गार्डन, पीपुल्स मॉल के सामने, करोंद में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में भक्ति और ज्ञान की रसधारा बह रही है। कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जो भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों से कथा श्रवण हेतु पहुँची। महाराज श्री के निज सचिव राजेश राय ने जानकारी देते हुए बताया कि पूज्य महाराज जी ने अपने दिव्य प्रवचन में जीवन के गूढ़ रहस्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन में क्या करना चाहिए यह रामायण सिखाती है, क्या नहीं करना चाहिए यह महाभारत सिखाती है, लेकिन जीवन को पूर्ण कैसे बनाएं और मृत्यु को भी महोत्सव कैसे बनाएं यह श्रीमद्भागवत सिखाती है। महाराज जी ने कहा कि मृत्यु महोत्सव तभी बन सकती है जब जीवन पवित्र, सार्थक और सेवा से परिपूर्ण हो। उन्होंने छल, कपट, ईर्ष्या, पाखंड और पाप के त्याग की आवश्यकता पर जोर देते हुए आत्मशुद्धि को जीवन का लक्ष्य बताया।

# अमेजन में नौकरी लगवाने का झांसा देकर लाखो की ठगी करने वाला गिरफ्तार

## खुद इंटरव्यू लेकर कंपनी के फर्जी ज्वाईनिंग लेटर करता था तैयार

**भोपाल।** अमेजन में टेलीकॉलर की नौकरी लगवाने का झांसा देकर भोपाल सहित आसपास के 80 बेरोजगार युवाओं से ठगी करने वाले शातिर जालसाज को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। शुरूआती जॉच में सामने आया है की आरोपी अब तक 80 से अधिक बेरोजगारों को अपने झांसे में लेकर लाखों रुपए की ठगी कर चुका है। आरोपी युवक अमेजन कंपनी में पूर्व में काम कर चुका है, वह नौकरी दिलाने का झांसा देने के बाद 10 हजार की रकम लेकर खुद ही लोगो का इंटरव्यू लेता और फिर कंपनी के फर्जी ज्वाईनिंग लेटर तैयार लेता था। एडिशनल डीसीपी क्राइम शैलेंद्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया की बीते साल 11 मार्च 2024 को पन्ना नगर, करोंद, थाना निशातपुरा में रहने वाले फरियादी सलमान ने लिखित शिकायत करते हुए बताया था, की तलैया इलाके में रहने वाले नबील सिद्दीकी नामक युवक ने उसकी और उसके परिचितों की अमेजन कंपनी में नौकरी लगवाने के

नाम पर लाखो की रकम लेकर धोखाधड़ी की गई है। शिकायत की जांच के बाद 30 जुलाई 2024 को आरोपी नबील सिद्दीकी के खिलाफ मामला कायम कर उसकी तलाश शुरू की गई। जॉच के दौरान नबील के खिलाफ इसी तरह की और भी शिकायते मिली। छानबीन में पता चलाक की आरोपी ने इन तीनों फरियादी और उनके परिचितों सहित 80 से अधिक लोगो के साथ इसी तरह 8 लाख रुपये की धोखाधड़ी की है। क्राइम ब्रांच फरार आरोपी नबील की पिछले एक साल से तलाश कर रही थी। ऐसे फंसाता था जाल में पूछताछ में सामने आया आरोपी नबील पिता खालिक उर रहमान निवासी कमला पार्क, थाना तलैया पहले अमेजन कंपनी की पुणे स्थित ब्रांच में टेलीकॉलर की नौकरी कर चुका है। वहॉ नौकरी के दौरान उसे कंपनी की काफी जानकारी हो गई। इसका फायदा उठाकर उसने भोपाल में अमेजन के नाम से फर्जी ई-मेल आईडी बनाकर बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने का झांसा देना शुरू कर दिया। आरोपी नौकरी के लिये संपर्क करने वालो से कहता की वो अमेजन में पुणे में रिक्रूटर के पोस्ट पर है, और अभी कंपनी को 30 लोगों की जरूरत है, बाद में यह संख्या बढ़ाकर 50 और फिर 100 कर देता था। जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों से पैसे वसूले जा सकें। अधिकारियो के अनुसार नबील ने शुरू में 30 लोगों का एक बैच तैयार किया था, उनसे कहा गया कि उन सभी को अमेजन पुणे ऑफिस में अपाइंट किया जाएगा। बाद में कहा कि कंपनी को 50 लोगों की जरूरत है। और नियुक्ति तभी होगी जब संख्या पूरी होगी, अमेजन में इसी प्रकार से बैच के बैच भर्ती होते है। इसके बाद आरोपी उसके जाल में फंसे लोगो के साथ ही अपने परिचितों से भी अमेजन में नौकरी पाने के लिये लोगो को उसके पास भेजने की बात कहता था। जिन लोगो ने उससे अमेजन में नौकरी पाने के लिये संपर्क किया उन सभी का नबील ने खुद ही इंटरव्यू लेते हुए हर एक से 10 हजार रुपये अपने बैंक खाता में जमा करा लिये। उसके बाद सभी को फर्जी तरीके से अमेजन कंपनी के नाम पर तैयार की गयी ईमेल आईडी से फर्जी तरीके से तैयार कियें गये अमेजन के ज्वाईनिंग लेटर भेज दिये। लेकिन लेटर मिलने के बाद ज्वाइनिंग न होने की बात पर नबील बहानेबाजी कर उन्हें टाल देतो था।

# || संपादकीय ||

भविष्य की आहट

डा. रवीन्द्र अरजरिया

## आपदाओं की समीक्षा से ही निकलेगा स्थाई समाधान

समूचे देश में बाढ के हालत भीषण होते जा रहे हैं। जल भराव से लेकर भूस्खलन तक की स्थितियां निरंतर शीर्षगामी हैं। राहत कार्य जारी हैं। आरोपों-प्रत्यारोपों का बाजार गर्म है। हर साल कोई न कोई प्राकृतिक आपदा किसी न किसी भूभाग को अपनी गिरफ्त में ले ही लेती है। जनहानि से लेकर धनहानि तक के आंकडे सामने आते हैं। आधुनिक युग, साइबर क्रान्ति और नवीनतम अनुसंधानों के बाद भी इन प्रकोपों का स्थाई निदान प्राप्त नहीं हो रहा है। विकासशील देशों की कौन कहे इस समस्या के शिकार विकसित राष्ट्र भी हैं।

बनावटी बरसात, गर्मी और सर्दी जैसी ऋतुओं की अनुभूति कराने का दावा करने वाले देश भी अचानक होने वाली प्रकृतिजन्य समस्याओं से सुरक्षित नहीं हैं। ज्यों-ज्यों विज्ञान की आंधी और अनुसंधानों का तूफान तेज होता जा रहा है त्यों-त्यों समस्याओं की विकरालता बढती जा रही है। आधुनिक तकनीक के आधार पर बनाई जाने वाली अधोसंरचनाओं को पुरातन ज्ञान आज भी मुंह चिढा रहा है। अतीत के स्मारक अपनी बुलंदी, अपनी कला और अपनी विधा का लोहा मनवा रहे हैं। सीमेन्ट, बालू, लोहा, गिट्टी जैसे कारकों से बनने वाली इमारतों के जीवन पर अनगढ पत्थर, रेत, चूना, लकडी, बांस, चिकनी मिट्टी, धातु, गुड, बेल, सन, उर्द की दाल जैसे घटकों से तैयार होने वाले भवन लम्बे समय बाद भी अपना स्थायित्व दर्शा रहे हैं। यही हाल सरोवरों का भी है। रियासतकालीन जलाशय आज भी भीषण गर्मी के मौसम में पहाडों पर होने के बाद भी अपनी जलराशि से जीवनदान कर रहे हैं जबकि आधुनिक तालाब थोडा सा ताप पाते ही सूख जाते हैं। पुराने किले, दुर्ग और महल अपनी सुदृढता के लिए वर्तमान में भी अद्वितीय उदाहरण बने हुए हैं।

गांवों से लेकर रियासत की राजधानियों तक की बसाहट योजनायें तत्कालीन वास्तु, तकनीक और सिद्धान्तों पर आधारित थीं जिसके कारण आबादियों में न तो जल भराव की समस्या थी और न ही जलस्तर गिरने का खतरा। अतिवर्षा के लिए भी पानी के बहाव की दिशा में ही निकास के रास्ते बनाये जाते थे। जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का निदान प्रकृति द्वारा प्रदत्त सामग्री के मूल स्वरूप से निर्मित भवनों से स्वत: ही हो जाता था। देश, काल और परिस्थितियों के अनुकूल ही मकानों का निर्माण होता था। जलस्रोतों से स्वत: प्राप्त होने वाला पानी आवश्यकता की पूर्ति हेतु पर्याप्त था। पर्यावरणीय शुद्धता के लिए परा-विज्ञान के प्रयोग निरंतर होते थे। शारीरिक पोषण हेतु मूल वनस्पतियों के प्राकृतिक स्वरूप को ही स्वीकार किया जाता था। मानवीय गुणों का सामूहिक प्रयोग सहयोग, सहायता और सौहार्द के रूप में आदरणीय था। मानवीय सोच की बानगी और कृत्यों की समीक्षा से ही प्रकृतिजन्य समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। महानगरों से लेकर छोट-छोटे गांवों तक में अतिक्रमण का बोलबाला है।

खाली पडे भू-भागों पर कब्जे, जलभराव वाले स्थानों पर निर्माण कार्य, वास्तु के विपरीत स्थापनायें, आवश्यकता से कहीं अधिक व्यय, गुणवत्ता की कमी, आधुनिक तकनीक के नाम पर प्राकृतिक संतुलन को तिलांजलि, स्वार्थपूर्ति के लिए सिद्धान्तों को दरकिनार करने वाली घटनायें निरंतर बढती जा रहीं हैं। नालों पर कब्जे, ढलान पर मकान, तालाबों पर अतिक्रमण, निर्माण हेतु अनावाश्यक ब्लास्टिंग जैसे कार्यों को पंख मिल चुके हैं। सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों के लिए जटिलतायें, उलझाऊपन और अनावश्यक प्रक्रियाओं का अम्बार लगाना, तो उत्तरदायी लोगों के लिए एक आम बात हो गई है। सरकारी औपचारिकताओं में नित नये प्राविधानों को जोडना, समीक्षा-संशोधनों के नाम पर आम आवास को साइबर तकनीक का कठिन अध्याय देना तथा स्थलीय संरचनाओं में अदूरदर्शिता का बोलबाला निरंतर बढता जा रहा है।

देश की राजधानी से लेकर गांवों की गलियों तक में नालों, जल निकासी मार्ग पर दबंगों का साम्राज्य देखा जा सकता है। किसी प्रभावशाली को लाभ देने हेतु भूगर्भीय संरचना के आधार पर हो रहे जल के बहाव की दिशा के विपरीत निकासी के प्रयास तो मूर्खता की मुस्कुराहट ही कही जा सकती है। पहाडों पर तो विकास के नाम पर विनाश की तांडव हो रहा है। कमजोर पहाडों पर भारी-भरकम ब्लास्टिंग हो रही है। संकीर्ण पगडंडियों को चार लेन की सरपट सडक बनाने हेतु कार्य किये जा रहे हैं।

आधुनिक तकनीक के प्रयोगों ने वहां के निवासियों को जीते जी मौत के मुंह में पहुंचाना शुरू कर दिया है। धर्म के नाम पर एक बडा वर्ग स्वार्थ का वर्चस्व कायम करने में लगा है। कुछ लोग आस्था के चश्मे से पिकनिक की मौज देखने में जुटे हैं। तीर्थ यात्राओं के मुखौटे के पीछे से विलासता को तलाशने वालों की संख्या में बढोतरी हो रही हैं। भारतीय संस्कृति, पुरातन विधाओं और सनातनी मूल्यों को लालफीताशाही ने निहित स्वार्थों की पूर्ति पर बलिदान कर दिया है। ज्यादातर लोगों ने कर्तव्यों को हाशिये पर पहुंचाकर अधिकारों की तलवारें खींच लीं हैं। उत्तरदायी लोगों की आंखों से सामने ही व्यवस्था की धज्जियां उडाने वाले प्रकरणों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। संवैधानिक संस्थाओं के अनेक कृत्य उनकी निरंकुशता का बोध करा रहे हैं।

कार्यपालिका, विधायिका और न्यायापालिका से जुडे अनेक जिम्मेदार लोगों पर स्वार्थ सिद्धि के आरोपों ने तो देश के आने वाले कल पर ही प्रश्नचिन्ह अंकित कर दिये हैं। ऐसे हालातों में प्राकृतिक आपदाओं के कारण, स्वरूप और परिणामों की बृहद समीक्षा की जाना नितांत आवश्यक है ताकि इसके प्रकृतिजन्य, मानवजन्य और संयोगजन्य कारकों को रेखांकित किया जा सके। यही कारक विकराल होती समस्याओं के स्थाई निदान का धरातल तैयार करने में सहायक सिद्ध होगें। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

# क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है

**वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025, विभिन्न संस्कृतियों व पृष्ठभूमियों के लोगों में क्षमा,यह शांति व सुलह की दिशा में एक वैश्विक आंदोलन को प्रेरित करता है**

वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता,संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक माफ़ी मांगना या देना है, बड़े बुजुर्गों का कहना है जो माफ़ करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहभारतीय सभ्यता की वैचारिक शक्ति है ! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, हमसे अगर गलती हो जाए तो हमें शांत स्वभाव से अपनी गलती को स्वीकार कर लेना चाहिए और माफ़ी मांगनी चहिए, क्योंकि हमेशा याद रखें कि माफी मांगने से हमेशा रिश्ते मजबूत ही होंगे, दो लोगों के बीच कभी बैर नहीं होगा। माफ करने या माफी मांगने की आदत से यह मालूम पड़ता है कि व्यक्ति तुच्छ भावों के मुकाबले में रिश्ते को ज्यादा अहमियत देता है।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 7 जुलाई 2025 को वैश्विक माफी दिवस है,चूँकि क्षमा दिवस मनाने से खुद को व दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है, जिससे एक अधिक दयालू और सहानुभूतिपूर्ण दुनियाँ को बढ़ावा मिलता है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025 के महत्व और शक्तियों को समझने की करें तो,यह दिवस हमारे जीवन में क्षमा की शक्ति और महत्व को समर्पित एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह द्वेष को दूर करने, पिछले घावों को भरने और समझ और सुलह की संस्कृति को बढ़ावा देने के महत्व पर चिंतन करने का दिन है। क्षमा भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है, जो व्यक्तियों और समुदायों को सद्भाव और शांति में आगे बढ़ने में मदद करता है। वैश्विक क्षमा दिवस लोगों को खुद को और दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे एक अधिक दयालु और सहानुभूति पूर्ण दुनिया को बढ़ावा मिलता है। वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता, संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक माफ़ी मांगना या देना है, बड़े बुजुर्गों का कहना है जो माफ़ करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहभारतीय सभ्यता की वैचारिक शक्ति है !

साथियों बात अगर हम मानव जीव में क्षमा भाव की करें तो, क्षमा भाव जिसके भीतर विकसित हो जाता है,वह व्यक्ति समाज में आदरणीय माना जाता है। किसी को किसी की भूल के लिए क्षमा करना औरआत्मग्लानि से मुक्ति दिलाना एक बहुत बड़ा परोपकार है। कितना आसान है किसी से अपनी गलती की माफी मांगना और उससे भी ज्यादा आनंद तब मिलता है, जब वह व्यक्ति हमें माफ कर देता है। क्षमा का शस्त्र जिसके पास है, उसका दुष्ट मानव कुछ नहीं बिगाड़ सकते। जिस तरह बिना तिनकों की पृथ्वी पर गिर कर अग्नि खुद ही शांत हो जाती है।

साथियों बात अगर हम क्षमा मांगने की परिस्थिति की करें तो, यदि हमसे वाकई गलती हो गई है तो गंभीरता से क्षमा मांगें। कोई स्पष्टीकरण दें, हमारी गलती से वह विचलित है और हमारे कारणों को समझने की स्थिति में नहीं है।उसे पहले शांत कर सामान्य स्थिति में लाएं। दिल से मांगी गई माफी से स्थिति सामान्य हो जाएगी। यह हमारा बड़प्पन भी होगा कि जो व्यक्ति हमारे कारण दुखी हुआ है और हम अपनी गलती स्वीकार कर उसे सामान्य होने में मदद कर रहे हैं। फिर हुए नुकसान या असुविधा की पूर्ति के लिए तत्काल प्रयास करें। व्यर्थ की दलीलों में समय बर्बाद करने की बजाय तत्काल कदम उठाएं। इस तरह हम अपनी खामियों के बावजूद सम्मान भरोसा हासिल करेंगे। अन्यथा भावनाओं की गलत अभिव्यक्ति से आप हमेशा तनाव में रहेंगे, जो आपको समाधान से दूर और दूर ले जाएगा।

साथियों बात अगर हम क्षमा देने की करें तो, कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता,क्षमा करना तो शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है। जो पहले क्षमा मांगता है वह सबसे बहादुर है और जो सबसे पहले क्षमा करता है वह सबसे शक्तिशाली है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरों का आभूषण है।बाणभट्ट के हर्षचरित में उल्लेख किया गया है कि क्षमा सभी तपस्याओं का मूल है। महाभारत में कहा गया है कि क्षमा असमर्थ मनुष्यों का गुण और समर्थ मनुष्यों का आभूषण है।' श्री गुरु ग्रंथ साहिब का वचन है- क्षमाशील को रोग नहीं सताता और न ही यमराज डराता है।

साथियों बात अगर हम क्षमा में भावनात्मक मिश्रण से हानि की करें तो खासकर पारिवारिक झगड़ों में हम देखते हैं कि, पति का पत्नी से झगड़ा हो गया है। उनके बीच कोई समस्या हो सकती है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। चूंकि पत्नी का मूड खराब है तो वह बेटे पर गुस्सा उतारेगी। बेटे पर मां मामूली-सी बात पर चिल्लाई तो वह अपने साथियों से लड़ पड़ा और हम जितनी कल्पना कर सकें उतना इस कहानी को विस्तार दे सकते हैं। भावनाएं यदि समस्या के स्रोत की दिशा में हो तो भी यह उसे सुलझाने की बजाय बड़ा बना देती हैं। यहीं पर बड़ी समस्या है, क्योंकि कोई माफी मांगे इसकी बजाय भावनात्मक विस्फोट के कारण आखिर में स्थिति होगी कि हमें ही माफी मांगनी पड़ सकती है।

साथियों बात अगर हम माफी मांगने में अफसोस और ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी के तड़के की करें तो,मुझे अफ़सोस है, इन तीन छोटे शब्दों के बिना माफी वास्तव में माफी नहीं है। उनका उपयोग करने से हम यह प्रदर्शित कर सकते हैं कि हम वास्तव में उस समस्या को उत्पन्न करने के लिए पछताते हैं जिसने शिकायत को प्रेरित किया। इन शब्दों के साथ माफी माँगने से हमको यह दिखाने में मदद मिलती है कि हम अतीत में जो कुछ हुआ है उसकी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा दोबारा न हो, यह समझाते हुए कि जो हुआ अब आगे हमेशा एक अच्छा विचार होगा, भविष्य में गड़बड़ी से मुक्त रखने के लिए हम जो कुछ भी बदलने की योजना बना रहे हैं उसे रेखांकित करके उस सफलता पर निर्माण करना सबसे अच्छा है।

साथिया बात अगर हम माफी मांगने की व्यवहारिकता की करें तो, यदि हम गलत हैं, आंशिक रूप से भी, किसी की मांग करने से पहले क्षमा मांगना बेहतर है। क्षमायाचना उन समस्याओं को हल करने में मदद कर सकती है जिन्हें हल करना सामान्य शब्दों के लिए बहुत कठिन है। क्षमा की वांछनीयता इसमें शामिल लोगों की संस्कृति पर निर्भर करती है। शर्म की संस्कृति में , एक उच्च स्थिति वाले व्यक्ति से जबरन माफी मांगना एक बहुत ही मूल्यवान चीज के रूप में देखा जाता है, क्योंकि माफी मांगने वाले व्यक्ति के सामाजिक अपमान को एक महत्वपूर्ण कार्रवाई के रूप में देखा जाता है।शिष्टाचार दूसरों से अपेक्षा करने का मानक नहीं है, यह एक ऐसा मानक है जिसका आप स्वयं पालन करते हैं। यह कहना कभी आसान नहीं होता, मुझे क्षमा करें। लेकिन कभी-कभी, गलती के लिए माफी मांगना ही आपकी प्रतिष्ठा की रक्षा करने का एकमात्र तरीका है।

'क्षमा दान महादान है,क्षमा के बराबर कोई दान नहीं है

गलती करना मानवीय विकार है,क्षमा करना ईश्वरय गुणहैं

क्षमा खुशनसीब है,अहंकार बदनसीब हैं।'

अत:अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि क्षमा मांगना या देना भावनात्मक और मानसिक कल्याण का एक पहलू है जो सद्भाव और शांति स्थापित करने में मदद करता है

वैश्विक क्षमा दिवस 7 जुलाई 2025, विभिन्न संस्कृतियों व पृष्ठभूमियों के लोगों में क्षमा, यह शांति व सुलह की दिशा में एक वैश्विक आंदोलन को प्रेरित करता है,क्षमा दिवस मनाने से खुद को व दूसरों को क्षमा करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है,जिससे एक अधिक दयालू और सहानुभूति पूर्ण दुनियाँ को बढ़ावा मिलता है।

• लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र (उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं)

# हिंदी साम्राज्यवादी भाषा नहीं

महाराष्ट्र में राज ठाकरे की पार्टी के गुंडों ने एक दुकानदार को थप्पड़ों से खूब पीटा। कारण सिर्फ यह था कि दुकानदार मराठी भाषा में बोल नहीं पाया। यह दुकानदार की ही नहीं, बल्कि देश की राजभाषा हिंदी की पिटाई की गई है। ऐसे असंख्य मामले तमिलनाडु में भी सामने आए हैं, जहां हिंदी भाषियों को लतियाया गया है। मुंबई में राजनीतिक गुंडे उत्तरी भारत के लोगों को बार-बार खदेड़ते रहे हैं, लिहाजा यह एक संवेदनशील मुद्दा बन गया है। दरअसल केरल में नंबूदरीपाद से लेकर तमिलनाडु में पेरियार के हिंदी-विरोधी आंदोलन तक हिंदी लगातार पिटती रही है। उस पर राजनीतिक आरोप चस्पां किए जाते रहे हैं कि यह साम्राज्यवाद की भाषा है। संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल अन्य भाषाओं को खा जाएगी। उनके भाषा-क्षेत्र पर कब्जा कर लेगी। ये मिथ्या धारणाएं हैं। संविधान में कोई साम्राज्यवादी भाषा स्थान पा सकती है? भारत के संविधान में हिंदी को संघ की राजभाषा के तौर पर मान्यता दी गई है। देवनागरी को आधिकारिक लिपि के रूप में स्वीकार किया गया है। संविधान सभा में इस पर लंबी चर्चाएं की गईं, अंततः 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा तय किया गया। संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी संबंधी प्रावधान हैं। संविधान का भाग 17, अनुच्छेद 343 से 351 तक, राजभाषा से संबंधित प्रावधानों को समर्पित है। अनुच्छेद 351 में केंद्र सरकार को हिंदी भाषा के विकास और प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्त्वों को अभिव्यक्त करने का माध्यम बन सके। देश हर 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' मनाता है, बेशक हमें ऐसे आयोजन और ऐसी व्यवस्था 'रस्मी' लगते रहे हैं। यकीनन हिंदी देश के बहुसंख्यक वर्ग की भाषा है।

करीब 60-65 करोड़ भारतीय हिंदी बोल, लिख, समझ और अभिव्यक्त कर सकते हैं। मराठी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, तेलुगू आदि अहिंदी भाषी राज्यों, क्षेत्रों के राजनेता, सांसद, लेखक, कलाकार आदि हिंदी भाषा सीखते हैं, बोलने का अभ्यास करते हैं, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक बन सकें। कई अहिंदी भाषी लेखक, बंगाल की महाश्वेता देवी और महाराष्ट्र के विजय तेंदुलकर आदि, तभी 'राष्ट्रीय' बन पाए और उन्हें 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' आदि से सम्मानित किया गया, जब उनकी कृतियों के हिंदी अनुवाद प्रकाशित हुए। बंगाल के प्रतिष्ठित, विख्यात लेखक शरत चंद्र और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास हिंदी के प्रकाशकों ने खूब छापे हैं। देश में उनका एक निश्चित पाठक वर्ग भी है। भारत के सर्वप्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार हैं रवींद्र नाथ टैगोर। उनकी 'गीतांजलि' का अनुवाद भी हिंदी में किया गया, जो आज तक हिंदी पाठकों के बीच बिक रहा है। सवाल है कि देश को भाषायी आधार पर क्यों बांटा जा रहा है? यदि महाराष्ट्र में किसी हिंदी-भाषी दुकानदार को पीटा जाता है अथवा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मद्देनजर 'त्रिभाषा फॉर्मूले' में भी हिंदी का स्थान छीना गया है, तो यह सरासर संविधान का उल्लंघन है, लिहाजा आपराधिक भी है। यह ठाकरे बंधुओं की क्षुद्र राजनीति हो सकती है, क्योंकि बीएमसी के चुनाव बहुत करीब हैं। राज ठाकरे के सियासी गुंडे तो लंबे अंतराल से महाराष्ट्र में हिंदी भाषियों को पीटते रहे हैं, लेकिन मराठी मानुष भी उस पार्टी को वोट नहीं देते, लिहाजा उसका एक भी विधायक सदन में चुन कर नहीं आ पाया है। मुंबई में 'बॉलीवुड' भी है, जो अरबों का एक उद्योग है। देश भर से लोग उसमें सक्रिय हैं। जो घोषित तौर पर 'सुपर स्टार' हैं और अरबों कमा रहे हैं, उनमें से अधिसंख्य मराठी नहीं हैं। आज वे इस मुद्दे पर खामोश क्यों हैं? शायद वे भी ठाकरे बंधुओं की राजनीति से डरते होंगे! वे 'सुपर स्टार' कहां छिप जाते हैं, हमें नहीं पता। इन दिनों बड़ी संख्या में दक्षिण भारतीय भाषाओं की फिल्में हिंदी में डब की जा रही हैं।

जनरल नॉलेज

## भारत में कितने लोग बोलते हैं हिंदी और कितने मराठी? भाषा विवाद के बीच उठ रहे सवाल; देखिए आंकड़े

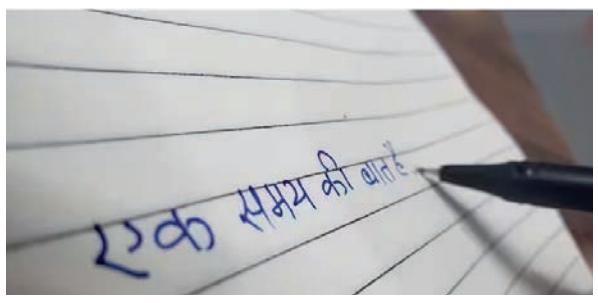


**हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है. हिंदी बोलने वालों की संख्या दुनिया के 155 देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है. ऐसे में चलिए जानते हैं देश में कितने लोग हिंदी बोलते हैं.**

महाराष्ट्र में शुरू हुआ हिंदी-मराठी विवाद एक बड़े राजनीतिक संघर्ष में बदल चुका है. यह विवाद ही है, जिसने ठाकरे बंधुओं (राज ठाकरे-उद्धव ठाकरे) को करीब दो दशक बाद एक साथ आने के लिए मजबूर कर दिया. शनिवार (5 जुलाई) को राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे मुंबई के वर्ली डोम में हुई विजय रैली में एक मंच पर दिखाई दिए. इस रैली के केंद्र में था मराठी स्वाभिमान और हिंदी थोपने का विरोध.

महाराष्ट्र से शुरू हुआ 'हिंदी विरोध' अब दूसरे राज्यों तक भी पहुंचने लगा है. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी ठाकरे बंधुओं के मिलन का समर्थन करते हुए हिंदी थोपे जाने के खिलाफ एकजुट होने की अपील की है. इससे पहले महाराष्ट्र में ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें जबरन मराठी बोलने के नाम पर लोगों के साथ हिंसा की गई. महाराष्ट्र में शुरू हुए इस भाषाई विवाद के बहाने चलिए जानते हैं कि देश में कितने लोग हिंदी भाषा बोलते हैं और कितने लोग मराठी बोलते हैं. इसके आंकड़े क्या हैं?

देश में इतने लोग बोलते हैं हिंदी - देश के उत्तर भारतीय राज्यों में ज्यादातर लोग हिंदी ही बोलते हैं, यहां सरकारी कामकाज की भाषा भी हिंदी ही है, लेकिन हम जैसे ही दक्षिण भारतीय राज्यों का रुख करते हैं तो क्षेत्रीय भाषाओं की गूंज सुनाई देने लगती है. 2011 की जनगणना के अनुसार, देश की आबादी 121 करोड़ थी, जो अब बढ़कर 140 करोड़ के पार पहुंच गई है. इसमें हिंदी बोलने वालों की जनसंख्या 45 फीसदी(45.11%) से भी ज्यादा है. यानी देश की लगभग आधी आबादी हिंदी भाषी है. 2011 की जनगणना में लिए गए आंकड़ों के मुताबिक, भारत में हिंदी बोलने वालों की संख्या 52,83,47,193 (52.83 करोड़) है.

कितने लोग बोलते हैं मराठी - मराठी भाषा ज्यादातर महाराष्ट्र या उसके आसपास के राज्यों में बोली जाती है. यह महाराष्ट्र की आधिकारिक भाषा तो है ही, साथ ही गोवा में भी बड़े स्तर पर बोली जाती है. आंकड़ों को देखें तो भारत में मराठी बोलने वाले लोगों की संख्या 8,30,26,680 (8.30 करोड़) है. यह भारत की जनसंख्या का मात्रा 7.09% ही है. यानी हिंदी के मुकाबले मराठी बोलने वाले लोगों की संख्या बेहद कम है.

टेक्नोलॉजी

## WhatsApp में आ गया ये नया फीचर! अब AI वॉयस कॉल चैट को बनाएगा और भी मजेदार, जानें कैसे करेगा काम

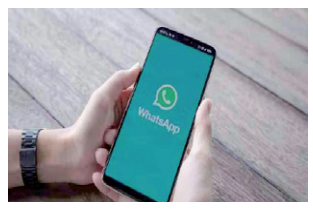


मेटा ने हाल ही में मियामी में आयोजित अपने Conversations 2025 इवेंट के दौरान WhatsApp Business प्लेटफॉर्म के लिए कई नए फीचर्स की घोषणा की है जो ग्राहकों के बीच बातचीत के तरीके को पूरी तरह बदल सकते हैं.

मेटा ने हाल ही में मियामी में आयोजित अपने Conversations 2025 इवेंट के दौरान WhatsApp Business प्लेटफॉर्म के लिए कई नए फीचर्स की घोषणा की है, जो व्यवसायों और ग्राहकों के बीच बातचीत के तरीके को पूरी तरह बदल सकते हैं. इन नए अपडेट्स में वॉयस और वीडियो कॉल, AI आधारित स्मार्ट शॉपिंग टूल्स और एकीकृत मार्केटिंग सिस्टम शामिल हैं. अब कंपनियां सिर्फ मैसेज भेजने तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि व्यक्तिगत खरीदारी अनुभव, बेहतर ग्राहक सेवा और WhatsApp, Facebook और Instagram पर एक साथ मार्केटिंग कर सकेंगी वो भी एक ही प्लेटफॉर्म से.

अब WhatsApp से सीधे वॉयस और वीडियो कॉल संभव - अब तक WhatsApp पर बिज़नेस संवाद मुख्य रूप से टेक्स्ट मैसेज तक सीमित थे. लेकिन अब मेटा ने ऐसा फीचर जोड़ा है जिससे कंपनियां ग्राहकों से सीधे कॉल कर सकती हैं बशर्ते ग्राहक कॉल के लिए सहमत हों. इससे जटिल समस्याओं को आसानी से समझाया जा सकेगा और ग्राहक सहायता पहले से कहीं ज्यादा तेज़ और व्यक्तिगत हो जाएगी.

वॉयस मैसेजिंग और AI असिस्टेंट भी होंगे मददगार - इस अपडेट में वॉयस मैसेज का विकल्प भी जोड़ा गया है, जिससे ग्राहक और बिज़नेस दोनों के लिए संवाद आसान होगा. जैसे हेल्थकेयर, एजुकेशन और फाइनेंस जैसी इंडस्ट्रीज में, टाइप करने से ज्यादा आसान होता है आवाज में जवाब देना. मेटा ने यह भी इशारा किया है कि भविष्य में ग्राहक वॉयस बेस्ड AI असिस्टेंट से भी बात कर पाएंगे जो तुरंत समस्याओं का हल देगा.

मार्केटिंग को भी बनाया गया और स्मार्ट - अब व्यवसाय WhatsApp, Facebook और Instagram पर एक साथ एड कैंपेन चला सकेंगे, और इसके लिए Ads Manager का उपयोग कर सकेंगे. इससे बजट ट्रैक करना, विज्ञापन बनाना और प्रोमोशन मैनेज करना बेहद आसान हो जाएगा. व्यवसाय चाहें तो खुद मैसेज भेज सकते हैं या फिर Meta Advantage+ AI के ज़रिए अपने प्रचार को ऑटोमैटिकली ऑप्टिमाइज़ करा सकते हैं. यहां तक कि WhatsApp Status में भी विज्ञापन दिखाया जा सकता है.

WhatsApp पर ही हो सकेगी पूरी खरीदारी - मेटा ने एक नया Business AI टूल पेश किया है, जो ग्राहकों को WhatsApp चैट के अंदर ही प्रोडक्ट ढूंढने, खरीदने और खरीद के बाद सहायता पाने की सुविधा देगा. यानी पूरा शॉपिंग एक्सपीरियंस अब सिर्फ चैट पर ही संभव होगा. फिलहाल इस फीचर की टेस्टिंग मेक्सिको में हो रही है लेकिन जल्द ही इसे अन्य देशों में भी लॉन्च किया जाएगा.

# ग्रीस, भारत, साइप्रस और आर्मेनिया... पश्चिम एशिया का नया QUAD, पाकिस्तान-तुर्की की बोलती होगी बंद

एजेंसी एथेंस

पाकिस्तान अपने हमसाए तुर्की और अजरबैजान के साथ भारत के खिलाफ साजिशें रच रहा है। इसका सबूत इसी साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखने को मिला। जब भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई की, तब तुर्की और अजरबैजान खुलकर पाकिस्तान के पक्ष में खड़े हो गए। तुर्की ने तो संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को सैन्य सहायता भी दी थी। ऐसे में अब भारत भी इस टिकड़ी की काट के तौर पर पश्चिम एशिया का नया QUAD खड़ा कर रहा है। इसमें भारत के अलावा ग्रीस, साइप्रस और आर्मेनिया शामिल हैं। इन तीनों देशों की किसी न किसी तरह से तुर्की और अजरबैजान के साथ दुश्मनी है। ऐसे में चार देशों का यह नया क्वाड पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान की टेंशन बढ़ाएगा। ग्रीक सिटी टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत पश्चिमी एशिया में अपनी कूटनीतिक उपस्थिति को एक नए स्तर पर ले जाने की योजना बना रहा है। इसका उद्देश्य पाकिस्तान, अजरबैजान और तुर्की का मुकाबला करना है। ऐसे में भारत उन देशों को शामिल कर रहा है, जिनकी इन तीनों से दुश्मनी है। हाल में ही इजरायल-ईरान संघर्ष के दौरान भारत ने अपने फंसे हुए नागरिकों को निकालने के लिए आर्मेनिया से मदद मांगी थी। यह भारत-आर्मेनिया संबंधों की बढ़ती ताकत को दर्शाता है। लगभग 110 भारतीय नागरिकों को नूरदुज़-अगारक सीमा के माध्यम से आर्मेनिया लाया गया और फिर विशेष विमान से भारत पहुंचाया गया। भारत और आर्मेनिया अपनी रणनीतिक साझेदारी को एक नई ऊंचाई तक पहले ही ले जा चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ दिनों पहले ही पश्चिम एशिया और पूर्वी यूरोप का दौरा किया था। इस दौरान वे साइप्रस भी पहुंचे थे। साइप्रस में पीएम मोदी ने उस क्षेत्र का भी दौरा किया, जहां से तुर्की के कब्जे वाला उत्तरी साइप्रस का इलाका दिखता है। इसे सांकेतिक तौर पर तुर्की के लिए कड़ा संदेश समझा गया। भारत ने साइप्रस की संप्रभुता और अखंडता का समर्थन किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के साथ स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप का भी ऐलान किया है। ऐसी संभावना है कि साइप्रस भारत से आने वाले दिनों में भारी मात्रा में हथियारों को खरीद सकता है, जिनमें ब्रह्मोस मिसाइलें भी शामिल हो सकती हैं। ग्रीस के साथ भारत की पुरानी दोस्ती है। इन दोनों देशों की दोस्ती 2023 में परवान चढ़ी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगस्त में एथेंस के दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान दोनों देशों ने कॉप्रिहेंसिव स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप का समझौता किया और आपस में सैन्य संबंधों को भी मजबूत करने का ऐलान किया। पीएम मोदी ने तो ग्रीस को भारत के लिए यूरोप का प्रवेश द्वार बताया था। भारत और ग्रीस एक साझा दुश्मन पाकिस्तान और तुर्की के खिलाफ भी लड़ रहे हैं। ऐसे में दोनों देशों की रक्षा साझेदारी एक दूसरे को लाभ पहुंचाने वाली भी है। अब भारतीय नौसेना के युद्धपोत भूमध्य सागर के दौरे के दौरान ग्रीस में पड़ाव डालते हैं।

# ग्रीस को एयरबेस उड़ाने वाली LR-LACM क्रूज मिसाइल देगा भारत से तुर्की में हड़कंप, कहा- हमला करना मकसद

एजेंसी अंकारा

भारतीय वायुसेना प्रमुख अमर प्रीत सिंह के एथेंस दौरे के बाद ग्रीस की मीडिया ने दावा किया है कि भारत और ग्रीस के बीच डिफेंस साझेदारी बढ़ाने पर बातचीत की गई है। वहीं ग्रीस सिटी टाइम्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत ने ग्रीस को अनौपचारिक तौर पर लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल (LR-LACM) देने की पेशकश की है। ये मिसाइल एयरबेस, एयर डिफेंस लिस्टम, रडार सिस्टम और हाई वैल्यू टारगेट को उड़ाने के लिए भारत ने डिजाइन किया है और ये भी ब्रह्मोस की तरफ धरती से चिपक कर उड़ान भरती है, इसलिए इसे इंटरसेप्ट करना ब्रह्मोस की तरह ही मुश्किल है। इस रिपोर्ट के आने के बाद तुर्की में हड़कंप मच गया है और तुर्की की मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 'अंकारा पर हमला करने की नीयत से ये पेशकश की गई है।' LR-LACM क्रूज मिसाइल 1000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक मार कर सकती है और इसे पारंपरिक और परमाणु, दोनों तरह के हथियारों से लैस किया जा सकता है। तुर्की की प्रमुख मीडिया साइट TR Haber ने अपनी रिपोर्ट में आशंका जताई है कि "ग्रीस इस मिसाइल को तुर्की के खिलाफ इस्तेमाल करने की तैयारी कर रहा है।" रिपोर्ट के हेडलाइन में कहा गया है कि "हिंदुस्तान 1000 किमी रेंज की क्रूज मिसाइल एजियन में लाया! वे तुर्की को निशाना बनाएंगे!" तुर्की की यह घबराहट सिर्फ भारतीय मिसाइल की मारक क्षमता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध भारत-ग्रीस के बढ़ते सैन्य रिश्तों से भी है। पिछले महीने भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने एथेंस में अपने ग्रीक समकक्ष लेफ्टिनेंट जनरल डिमोस्थेनीस ग्रिगोरियादिस से मुलाकात की थी। हालांकि यह साफ नहीं है कि LR-LACM पर कोई औपचारिक चर्चा हुई या नहीं, लेकिन इससे पहले भारत ने इस मिसाइल को DEFEA-25 रक्षा प्रदर्शनी में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया था। इसके बाद से ही अटकलें तेज हो गईं कि भारत इसे ग्रीस को निर्यात कर सकता है। ग्रीस सिटी टाइम्स ने बार बार दावा किया है कि ग्रीस ने भारतीय हथियारों में गहरी दिलचस्पी दिखाई है और भारत भी ग्रीस को हथियार देने में सकारात्मक संकेत दे रहा है। ग्रीस एक डिफेंस एक्सपर्ट्स का कहना है कि ग्रीस को तुर्की के अखबार TR Haber की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ग्रीक वायुसेना कथित तौर पर पर्दे के पीछे से भारत से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना से ऑपरेशनल डिटेल हासिल कर ली है। इसमें राफेल लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन, भारत ने पाकिस्तान के एयरबेस पर कैसे हमला किया, भारत ने सटीक हमला करते हुए पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को कैसे ध्वस्त किया, इस बात की जानकारी हासिल कर रहा है। तुर्की का मानना है कि ग्रीस, भारतीय अनुभवों का इस्तेमाल अपने पायलटों को तुर्की के खिलाफ लड़ाई के लिए तैयार करने में करेगा। यह आशंका इसलिए भी काफी ज्यादा बढ़ हई है, क्योंकि पिछले कुछ सालों में ग्रीस और तुर्की के बीच एजियन सागर में वायु और समुद्री सीमा विवाद काफी गहरा गया है। और भारत अगर ग्रीस को क्रूज मिसाइल देता है, तो ये तुर्की के लिए कूटनीतिक और सामरिक झटका हो सकता है। तुर्की की चिंता इस बात से भी गहरी होती जा रही है कि भारत की ग्रीस और साइप्रस के साथ सैन्य और सामरिक नजदीकियां लगातार बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2023 में ग्रीस और 2025 में साइप्रस यात्रा के दौरान हुए समझौते, खासकर साइप्रस के बंदरगाहों में भारतीय युद्धपोतों की मौजूदगी, तुर्की को स्पष्ट संकेत देते हैं कि भारत पूर्व भूमध्यसागर में भी रणनीतिक मौजूदगी बढ़ा रहा है। तुर्की ने मई महीने में संघर्ष के दौरान भारत के खिलाफ पाकिस्तान की मदद की थी और माना जा रहा है कि भारत ने भी तुर्की को अब उसी की भाषा में जवाब देना शुरू कर दिया है। भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम के आगे तुर्की के ड्रोन सुतली बम की तरह फुस्स हो गये थे, इसलिए तुर्की की घबराहट यह दिखाती है कि भारतीय हथियारों से उसके दिल में कितना खौफ भर गया है।

# अमेरिका अब दुनिया का इकलौता सुपरपावर नहीं रहा... खराब डिप्लोमेसी, नाकाम रणनीति, स्वतंत्रता दिवस पर जानिए पतन की कहानी

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका आज अपनी स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। 4 जुलाई 1976 को अमेरिका ब्रिटेन की गुलामी से आजाद हो गया था और दुनिया की सबसे पुराने लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव रखी गई थी। आजादी के बाद अमेरिका ने दुनिया को यह यकीन दिलाया कि एक नया नेतृत्व उदय हुआ है, एक ऐसा राष्ट्र जो लोकतंत्र, स्वतंत्रता और वैश्विक नेतृत्व के मूल्यों का झंडाबरदार बनेगा। लेकिन आज, जब हम 2025 में अमेरिका के इस ऐतिहासिक दिन को देखते हैं तो एक सच्चाई का पता चलता है कि अमेरिका अब दुनिया का एकमात्र सुपरपावर नहीं है। इसकी वजह सिर्फ बाहरी चुनौतियां नहीं हैं, बल्कि भीतर से उभरती राजनीतिक और रणनीतिक अस्थिरताएं भी इस गिरावट की वजह हैं। अमेरिका अब ग्लोबल जियो-पॉलिटिक्स में एकमात्र श्रेष्ठ नहीं रह गया है। टाइम मैग्जीन में लिखते हुए पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के खास सलाहकार डेनिस रॉस, जो अब वॉशिंगटन इंस्टीट्यूट फॉर नियर ईस्ट पॉलिसी के भी सलाहकार हैं, उन्होंने लिखा है कि अमेरिका ने बहुत महंगे युद्ध की बड़ी कीमत चुकाई है और उसका बहुत सीमित लाभ हुआ। उन्होंने लिखा है कि शीत युद्ध खत्म होने के बाद अमेरिका दुनिया का एकमात्र सुपरपावर था। उसने दुनिया का नेतृत्व किया। सोवियत संघ के पतन से अमेरिका की जियो-पॉलिटिक्स पर पकड़ा काफी मजबूत हुई। अमेरिका ने 1990 के दशक से लेकर 2000 के मध्य तक कूटनीति, सैन्य ताकत, आर्थिक प्रभाव और तकनीकी नेतृत्व के दम पर दुनिया को अपनी शर्तों पर चलाया। लेकिन इस दौरान, कुछ अहम गलत फैसलों ने अमेरिका की स्थिति को धीरे-धीरे कमजोर करना शुरू कर दिया। खासकर 2003 में इराक युद्ध में अमेरिका का जाना बहुत गलत फैसला था। इराक युद्ध में अमेरिका बिना ठोस रणनीति के एक लंबी और महंगी जंग में उलझ गया। जिसका नतीजा ये रहा कि अमेरिका की वैश्विक साख को नुकसान पहुंचा, घरेलू स्तर पर भी नेतृत्व के प्रति अविश्वास ने जन्म लिया। उन्होंने लिखा है कि रूस अभी तक हमें चुनौती नहीं दे रहा था, लेकिन 2007 में म्यूनिख सुरक्षा मंच पर व्लादिमीर पुतिन ने संकेत दिया था कि क्या होने वाला है जब उन्होंने एकध्रुवीय दुनिया के विचार की निंदा की और कहा कि रूस और अन्य इसे स्वीकार नहीं कर सकते। उस समय, उनके दावे ने अमेरिकी आधिपत्य की वास्तविकता को नहीं बदला। लेकिन आज वास्तविकता काफी अलग हो चुकी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, हम चीन और रूस का सामना वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के रूप में करते हैं, चीन आर्थिक और सैन्य दोनों तरह की चुनौती पेश कर रहा है। क्षेत्रीय स्तर पर, हम ईरान और उत्तर कोरिया से चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अमेरिका अभी भी दुनिया की सबसे मजबूत शक्ति हो सकता है, आर्थिक, तकनीकी और सैन्य रूप से ... लेकिन हमें अब एक बहुध्रुवीय दुनिया में काम करना होगा, जिसमें हमें बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। और ये बाधाएं अंतर्राष्ट्रीय स्तर से लेकर घरेलू स्तर पर होंगी।उन्होंने लिखा है कि डोनाल्ड ट्रंप और जे.डी. वेंस जैसे नेताओं के नेतृत्व में एक नया अमेरिकी राष्ट्रवाद उभरा है, जिनकी किताब में अमेरिका को वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाए रखने का विचार नहीं है। इनका मानना है कि अमेरिका को सिर्फ अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर ध्यान देना चाहिए, भले ही इससे वैश्विक गठबंधनों को नुकसान हो। उन्होंने लिखा है कि "2006 में मैं एक ऐसे अमेरिका के बारे में लिख रहा था जो इराक में हमारी भूमिका पर बहस कर रहा था लेकिन फिर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी नेतृत्व में विश्वास करता था। इराक और अफगानिस्तान में युद्धों ने दुनिया में हमारी भूमिका की लागत के बारे में बुनियादी सवाल उठाए और इस आम सहमति को खत्म कर दिया, कि अमेरिका को नेतृत्व करना चाहिए।"डेनिस रॉस का मानना है कि अमेरिका की विदेश नीति की सबसे बड़ी कमजोरी अब यह हो गई है कि उसके घोषित उद्देश्य और उन्हें प्राप्त करने के संसाधनों के बीच असंतुलन है। चाहे बात अफगानिस्तान से जल्दबाजी में वापसी की हो, या सीरिया में आधे-अधूरे हस्तक्षेप की, या फिर यूक्रेन के संघर्ष में समर्थन को लेकर उठते सवालों की, हर जगह यही नजर आता है कि अमेरिका ने जो लक्ष्य तय किए, उन्हें हासिल करने की कोई ठोस योजना नहीं बनाई। अगर नेतृत्व में परिवर्तन नहीं आया और स्थिति को ठीक नहीं किया गया, तो अमेरिका की नीति ना सिर्फ नाकामयाब होगी, बल्कि उसकी वैश्विक साख को और नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं और लिखा है कि ट्रंप की नीतियों की वजह से ज्यादातर अमेरिकी साझेदार छिटक रहे हैं, उनके मन में अमेरिका को लेकर अविश्वास और गहरा रहा है। उन्होंने लिखा है कि अमेरिका के सामने एक मजबूत रूस और आक्रामक चीन है और अगर अमेरिका अपने सहयोगियों को नाराज करता रहेगा तो वो नाकाम हो जाएगा।

# सुखोई Su-35 के रडार में दम नहीं, इंजन बेदम भारत के दोस्त ने रूसी जेट के खोले धागे, भारत को कबाड़ बेचना चाहते हैं पुतिन

एजेंसी कायरो

रूस भारत को पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान Su-57 के साथ साथ 4.5 जेनरेशन का Su-35 भी बेचना चाहता है। लेकिन भारत की तरफ से एक भी ऐसा इशारा नहीं दिया गया है, जिससे पता चले की भारत इस एयरक्राफ्ट में दिलचस्पी रखता हो। मिस्र के एक सीनियर मिलिट्री ऑफिसर ने खुलासा किया है कि काहिरा ने रूसी Su-35 लड़ाकू जेट खरीदने के अपने 2018 के सौदे को इसलिए रद्द कर दिया था, क्योंकि जांच के दौरान इस फाइटर जेट में कई टेक्नोलॉजिकल दिक्कतें मिली थीं। जिसके बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या यही वजह तो नहीं कि भारत इस विमान को नहीं खरीद रहा है? 2018 में मिस्र ने रूस से 24 Su-35 लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए करीब 2 अरब डॉलर का सौदा किया था। उस समय यह समझौता रूस के लिए मध्य पूर्व में एक बड़ी कूटनीतिक और रक्षा सफलता मानी गई थी। Su-35, जिसे रूस 4.5 जेनरेशन जेट होने का दावा करता है, वो एक मल्टीरोल फाइटर है। लेकिन 2020 तक यह मिस्र और रूस के बीच हुआ ये सौदा चुपचाप ठंडे बस्ते में चला गया। अब जुलाई 2025 में मिस्र के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने खुलासा किया है कि तकनीकी खामियों और रणनीतिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डील को रद्द किया गया था। इसके अलावा अमेरिकी CAATSA अधिनियम के तहत प्रतिबंध का भी दबाव मिस्र पर था। मिस्र के सीनियर मिलिट्री ऑफिसर ने खुलासा किया है कि मिस्र की वायुसेना ने जब इस विमान की तकनीकी पड़ताल की तो पता चला कि Su-35 का Irbis-E रडार तकनीकी रूप से पिछड़ा हुआ है। ये पुराने जमाने के PESA तकनीक पर आधारित है, जबकि पश्चिमी देशों के विमान जैसे F-35 और राफेल में AESA रडार होता है। AESA रडार ज्यादा कुशल है और उसे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर के दौराम जाम किए जाने का काफी कम खतरा होता है। इसके अलावा, Su-35 का इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम भी आधुनिक युद्ध के मुकाबले में कमजोर पाया गया, जो आज के इलेक्ट्रॉनिक काउंटरमेजर्स का सामना नहीं कर सकता। इंजन की बात करें तो, AL-41F1S इंजन न सिर्फ ज्यादा ईंधन खपत करता है, बल्कि उसका थर्मल और साउंड सिग्नेचर भी ज्यादा है, जिससे विमान की क्षमताएं सीमित हो जाती हैं। इस जेट के इंजन को लेकर गंभीर सवाल उठाए गये हैं। AL-41F1S इंजन शक्तिशाली तो हैं, लेकिन ये काफी ज्यादा गर्मी जेनरेट करते हैं और साउंड सिग्नेचर उत्पन्न करते हैं, जिससे इन्फ्रारेड और रडार सिस्टम के लिए Su-35 का पता लगाना आसान हो जाता है। लिहाजा ये इजरायली फायटर जेट का मुकाबला करने में नाकाम साबित होगा। इसके अलावा मिस्र की वायुसेना का रक्षा सिद्धांत ऑपरेशनल स्वतंत्रता पर आधारित है, खासकर ऐसे क्षेत्र में जहां सैन्य संकट तेजी से उत्पन्न हो सकते हैं, जैसे लीबिया में हवाई हमले या सिनाई में विद्रोह। Su-35 मिशन के दौरान पूर्ण प्रदर्शन के लिए AWACS (Airborne Warning and Control System) पर निर्भर करता है, जो मिस्र की "स्वतंत्र फैसला लेने की क्षमता" की रणनीति के खिलाफ है। इसके विपरीत, राफेल जैसे विमान में RBE2 AESA रडार और SPECTRA इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम जैसी एडवांस क्षमताएं हैं, जो इसे बिना बाहरी समर्थन के ऑपरेशन के काबिल बनाती हैं। इसी वजह से मिस्र ने रूसी विमान खरीदने के फैसले को रद्द कर दिया। इसके अलावा अमेरिका ने भी मिस्र पर CAATSA कानून के तहत प्रतिबंध लगाने की धमकी दी थी। अगर मिस्र, रूस के साथ लड़ाकू विमान का सौदा करता तो उसे अमेरिका से मिलने वाली सैन्य सहायता (जो हर साल करीब 1 अरब डॉलर से ज्यादा है) खतरे में पड़ सकती थी। ये भी मिस्र के डील से पीछे हटने के पीछे एक मुख्य वजह थी। जिसके बाद रूस ने इन Su-35 विमानों को ईरान की ओर मोड़ दिया था। वहीं दावा है कि यूक्रेन युद्ध रूस ने Su-35 का 40% बेड़ा खो दिया है और ईरान को इन विमानों की आपूर्ति में भी देरी हो रही है, जिससे रूस की वैश्विक हथियार बाजार में स्थिति और भी कमजोर हुई है।

# ईरान पर 12 दिनों तक हमले के बाद भी इजरायल खाली हाथ, खामेनेई को झुका नहीं पाया, क्या बैकफायर कर गया नेतन्याहू का दांव

एजेंसी तेल अवीव

इजरायल ने 13 जून को जब ईरान पर बड़े पैमाने पर हवाई हमला बोल दिया था, जिसके बाद दोनों के बीच 12 दिनों तक भीषण जंग चली। इस दौरान इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत करने और ईरानी परमाणु स्थलों को नष्ट करने की बात कही थी। अब युद्ध खत्म होने के बाद सवाल उठता है कि क्या इजरायल इस युद्ध में अपने लक्ष्यों को हासिल करने में सफल रहा। अमेरिका स्थित पत्रिका फॉरेन पॉलिसी ने इस जंग को 'असफल जुआ' बताया है। फॉरेन पॉलिसी पत्रिका के अनुसार, इजरायल इस संघर्ष में अपने घोषित उद्येश्यों को हासिल नहीं कर पाया। इस जंग ने उस मिथम को भी तोड़ दिया कि किसी दूसरे देश के हमले से ईरान बिखर जाएगा। पत्रिका में लिखे लेख में कहा गया है कि नेतन्याहू ने इस्लामिक गणराज्य के खतरे को खत्म करने के इरादे से युद्ध शुरू किया था, लेकिन संघर्ष ने यहूदी देश की अपनी कमियों को सामने ला दिया। इस हमले ने ईरानी राष्ट्रवाद को मजबूत किया और तेहरान की मुख्य सैन्य या परमाणु क्षमताएं भी नष्ट करने में इजरायल नाकाम रहा। युद्ध ने दोनों पक्षों को गंभीर क्षति पहुंचाई। ईरान ने इजरायली शहरों और रणनीतिक लक्ष्यों पर मिसाइलों को दागकर सफलतापूर्वक जवाबी कार्रवाई की। रात के दौरान ईरान ने सैकड़ों मिसाइलें लॉन्च की, जिसमें तेल अवीव के साथ ही हाइफा जैसे तटीय क्षेत्र में रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों को निशाना बनाया। इजरायली शहरों पर दर्जनों मिसाइलें और ड्रोन गिरे, जिससे भारी नुकसान हुआ। इतना ही नहीं, ईरान ने अमेरिकी हमले का भी जवाब दिया और कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयरबेस पर हमला करके अपनी ताकत दिखाई। विश्लेषकों का कहना है कि ईरान का यह प्रदर्शन उसकी क्षेत्रीय और कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करने में मदद कर सकता है। रिपोर्ट में ईरानी हमलों को सटीक और सुनियोजित बताया गया। इजरायल ने जब साउथ पार्स तेल रिफाइनरी पर हमला किया तो जवाब में तेहरान ने हाइफा रिफाइनरी को निशाना बनाया। ईरान ने इजराल के प्रतिष्ठित वीजमैन इंस्टिट्यूट पर हमला किया। जवाबी कार्रवाई का उद्येश्य ईरान की प्रतिरोधक क्षमता का प्रदर्शन करना था। इसका असर हुआ और कुछ ही देर में ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले बंद हो गए। इस बीच इजरायल ने रिहायशी इलाकों, मीडिया संस्थानों की बिल्डिंग, जेलों और पुलिस स्टेशनों को निशाना बनाकर हमले, जिसे ईरान में आंतरिक अशांति पैदा करने की रणनीति के रूप में हो गया। इसने उन धारणाओं को हवा दी है कि इजरायल का उद्येश्य ईरानियों को आजाद कराना नहीं, बल्कि देश को अस्थिर करना था। इसमें कहा गया है कि युद्धविराम ने परमाणु तनाव को अनसुलझा छोड़ दिया है, जो भविष्य में बड़े युद्ध की वजह बन सकता है।

# गिल ने बनाए 430, आकाशदीप और सिराज की आंधी में उड़ा इंग्लैंड; भारत की 58 साल बाद आई ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रनों से हरा दिया है. इसी के साथ सीरीज में टीम इंडिया ने 1-1 से बराबरी कर ली है. आकाशदीप ने मैच में कुल 10 विकेट लिए.

भारत ने दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 336 रनों से हरा दिया है. इसी के साथ सीरीज में टीम इंडिया ने 1-1 से बराबरी कर ली है. बर्मिंघम में खेले गए इस मुकाबले में टीम इंडिया ने इंग्लैंड टीम को 608 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था. इसके जवाब में इंग्लिश टीम सिर्फ 271 रन ही बना पाई. भारत की इस जीत में कप्तान शुभमन गिल के अलावा मोहम्मद सिराज और आकाशदीप ने बड़ा योगदान दिया.

58 साल बाद आई ऐतिहासिक जीत - बर्मिंघम का एजबेस्टन मैदान टेस्ट में भारत के लिए किसी बुरे सपने की तरह रहा है. यहां टीम इंडिया ने 1967 में पहला टेस्ट मैच खेला था, लेकिन अब तक उसे एजबेस्टन पर जीत नसीब नहीं हुई थी. कपिल देव, विराट कोहली से लेकर एमएस धोनी जैसे दिग्गज भी अपनी कप्तानी में भारत को इस मैदान पर जीत नहीं दिला पाए थे. अब आखिरकार शुभमन गिल ने अपनी कप्तानी में 58 साल से चले आ रहे हार के सिलसिले को समाप्त कर दिया है.

मैच का सार - इंग्लैंड ने टॉस जीता, लेकिन पहले गेंदबाजी चुनी. इस फैसले की जमकर आलोचना की गई थी. भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी की और कप्तान शुभमन गिल के 269 रनों के दम पर 587 रन बना डाले. पहली पारी में टीम इंडिया के लिए यशस्वी जायसवाल ने 87 और रवींद्र जडेजा ने 89 रनों की पारी खेली. जवाब में हैरी ब्रूक ने 158 रन और जैमी स्मिथ ने 184 रन बनाए, लेकिन उनके अलावा कोई और बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया. नतीजन इंग्लैंड की टीम 407 रनों पर सिमट गई. पहली पारी में भारत को 180 रनों की विशाल बढ़त मिली थी.

जब तक भारत की दूसरी पारी आई, तब भारतीय बल्लेबाजों ने तेजी से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाया. कप्तान गिल ने दूसरी पारी में भी 161 रन बनाए, जिससे गिल ने पूरे मैच में 430 रन बना डाले थे.

# टी20 वर्ल्ड कप का पूरा शेड्यूल, भारत कब और कहां खेलेगा अपने मैच

नई दिल्ली, एजेंसी | अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है. जानें भारत अपना पहला मैच कब खेलेगा?

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का पूरा शेड्यूल पहले ही जारी कर दिया था. विश्व कप की मेजबानी इंग्लैंड करेगा, जो 12 जून-5 जुलाई तक खेला जाएगा. इस टूर्नामेंट में कुल 12 टीम खेलेंगी, जिनके बीच 33 मुकाबले खेले जाएंगे. टूर्नामेंट का सबसे पहला मैच 12 जून को मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा. वहीं भारतीय टीम अपना पहला मैच 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी.

वर्ल्ड कप में शामिल 12 देशों को 6-6 टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है. ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका को रखा गया है. बाकी 2 टीम ग्लोबल क्वालीफायर्स से होते हुए ग्रुप ए में जगह बनाएंगी. वहीं इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज को ग्रुप बी में रखा गया है. बाकी दो टीमों का फैसला ग्लोबल क्वालीफायर्स से होगा.

प्रत्येक ग्रुप में टॉप-2 में रहने वाली टीमों को सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा. सेमीफाइनल मुकाबले 30 जून और 2 जुलाई को द ओवल मैदान पर खेले जाएंगे. वहीं फाइनल मैच 5 जुलाई को लॉर्ड्स मैदान पर खेला जाएगा.

## भारत का शेड्यूल

भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मैच से करेगी. भारतीय टीम अपना दूसरा मैच 17 जून को ग्लोबल क्वालीफायर्स से आने वाली टीम से खेलेगी. उसका तीसरा मैच 21 जून को दक्षिण अफ्रीका और चौथा मैच 24 जून को ग्लोबल क्वालीफायर्स

# शुभमन गिल से बहुत बड़ा ब्लंडर, सिर्फ एक तस्वीर के लीक होने से BCCI को करोड़ों का नुकसान! जानें कैसे

**शुभमन गिल इंग्लैंड दौरे पर धमाकेदार बल्लेबाजी कर रहे हैं. लेकिन भारत के कप्तान से एक बड़ी गलती हो गई है, जिसका खामियाजा बीसीसीआई को भुगतना पड़ सकता है.**

मुंबई, एजेंसी | भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड दौरे पर छाए हुए हैं. गिल के बल्ले से दोनों टेस्ट मैच में रन आए हैं. शुभमन गिल लीड्स और एजबेस्टन टेस्ट में मिलाकर 585 रन बना चुके हैं. लेकिन इन सभी बातों के बावजूद शुभमन गिल बुरी तरह एक कॉन्ट्रोवर्सी में फंस गए हैं. गिल से दूसरे टेस्ट के चौथे दिन एक बड़ी गलती हो गई, जिसके चलते अब कप्तान की गलती की सजा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) को झेलनी पड़ सकती है.

## गिल से हो गया ब्लंडर

शुभमन गिल जब भारत की दूसरी पारी के दौरान इनिंग डिक्लेयर करने आए, तब भारतीय कप्तान ने ब्लैक कलर की Nike ब्रांड की वेस्ट पहन रखी थी. लेकिन बीसीसीआई का कॉन्ट्रेक्ट Nike से नहीं है, बल्कि Adidas कंपनी से है. इस कंपनी का लोगो ही भारतीय खिलाड़ियों की जर्सी पर भी छपा है. बीसीसीआई और एडिडास के बीच ये कॉन्ट्रेक्ट मार्च 2028 तक है. ये जर्मन ब्रांड ही भारत की मेन्स, वूमेंस और यूथ टीम के लिए सभी फॉर्मेट की किट बनाता है. बीसीसीआई के लिए एडिडास के एक बड़ी स्पॉन्सर कंपनी है.

## BCCI को होगा करोड़ों का नुकसान?

बीसीसीआई के लिए स्पॉन्सर कंपनी एडिडास है, तब टीम के खिलाड़ियों पर नियम लागू होता है कि वो इस कंपनी की ही जर्सी पहने, लेकिन शुभमन गिल ने इस नियम को तोड़ दिया है. साल 2023 में एडिडास और बीसीसीआई के बीच 250 करोड़ रुपये की ये डील हुई थी. अब गिल की गलती पर एडिडास क्या एक्शन लेगा, इसके बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है. एक तरफ एडिडास ये डील कैंसिल भी कर सकता है, जिससे बीसीसीआई को करोड़ों का नुकसान होगा. लेकिन इस डील से स्पॉन्सर कंपनी को भी काफी फायदा है. ऐसे में कंपनी बीसीसीआई और गिल को वॉर्निंग देकर छोड़ भी सकती है.

# पिता का निधन, फिर 6 महीने बाद सिर से उठ गया बड़े भाई का हाथ; यहां जानें आकाशदीप की दर्द भरी दास्तां

**आकाशदीप ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में घातक गेंदबाजी की. आज स्टार गेंदबाज बनते जा रहे आकाशदीप का जीवन कठिनाई भरा रहा है.**

नई दिल्ली, एजेंसी | आकाशदीप, एक ऐसा भारतीय तेज गेंदबाज जिसने बर्मिंघम टेस्ट में इंग्लैंड के बल्लेबाजों का दम निकालने में कोई कसर नहीं छोड़ी. सीरीज के दूसरे टेस्ट में उन्हें जसप्रीत बुमराह के रिप्लेसमेंट के तौर पर प्लेइंग इलेवन में लाया गया था. आकाशदीप ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाते हुए पहली पारी में 4 विकेट लिए थे. उन्होंने दूसरी पारी में भी कई महत्वपूर्ण विकेट चटकाए. आज टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज बनकर उभरे आकाशदीप के जीवन में ऐसा समय भी आया जब उन्होंने महज 6 महीनों के भीतर अपने पिता और बड़े भाई को खो दिया था.

## पापा से नहीं मिला था सपोर्ट

आकाशदीप बिहार के सासाराम शहर से आते हैं. आकाश खुद बता चुके हैं कि क्रिकेट करियर में उन्हें पिता का सपोर्ट नहीं मिल रहा था. आकाश ने बताया था कि, 'मेरा पिता को मेरा क्रिकेट खेलना कतई पसंद नहीं था, वो समझते थे कि क्रिकेट खेलना जैसे कोई अपराध है. मैं जिस बैकग्राउंड से

आता हूं, वहां क्रिकेट में भविष्य को लेकर अच्छी मान्यताएं नहीं हैं.' आकाश के पिता मानते थे कि उनके बेटे को सरकारी नौकरी के एग्जाम देने पर ध्यान देना चाहिए, इसलिए यह भारतीय तेज गेंदबाज उन दिनों छुप-छुप कर क्रिकेट खेलने जाता था.

## 6 महीने के भीतर पिता और बड़े भाई का निधन

यह साल 2015 का समय है, जिसे आकाशदीप के जीवन का सबसे कठिन समय कहा जा सकता है. लकवा मारने के कारण उनके पिता का निधन हो गया था. उसी साल वाराणसी स्थित एक अस्पताल में ले जाने के दौरान आकाश के बड़े भाई भी इस दुनिया को छोड़ चले थे. आकाश इन कठिन परिस्थितियों में 3 साल क्रिकेट से दूर रहे, लेकिन उन्होंने दुर्गापुर (बंगाल) आने के बाद बल्लेबाज से गेंदबाज बनने का सफर शुरू किया. आकाशदीप ने अब तक अपने 38 मैचों के फर्स्ट-क्लास करियर में 128 विकेट लिए हैं.

## व्यापार

# भारत का UPI दुनिया में मचा रहा धमाल, अब इस कैरेबियाई देश में भी कर पाएंगे ऑनलाइन पेमेंट

**फ्रांस, भूटान, यूएई जैसे देशों के बाद अब UPI यानि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस को अपनाने वाले देशों की लिस्ट में त्रिनिदाद और टोबैगो का भी नाम जुड़ गया.**

भारत का डिजिटल पेमेंट सिस्टम पूरी दुनिया में मशहूर होता जा रहा है. अब UPI यानि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस को अपनाने वाले देशों की लिस्ट में त्रिनिदाद और टोबैगो का भी नाम जुड़ गया. इसी के साथ ये UPI को अपनाने वाले पहले कैरेबियाई देश बन गए हैं. यानी कि अब से यहां भी किसी चीज के लेनदेन पर यूपीआई के जरिए पेमेंट किया जा सकेगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भीम ऐप के जरिए डिजिटल ट्रांजैक्शन सिस्टम अपनाने पर इन्हें बधाई दी है.

त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर पीएम मोदी - त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर के आमंत्रण पर पीएम मोदी ने 3-4 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो का दौरा किया. न्यूज एजेंसी ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, इसी दौरान दोनों देशों ने डिजिटल डोमेन में सहयोग बढ़ाने पर गहरी रूचि दिखाई. दोनों देशों ने डिजिलॉकर, ई-साइन और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) सहित इंडिया स्टैक सॉल्यूशंस के कार्यान्वयन में आगे सहयोग करने पर भी सहमति जताई.

UPI को अपनाने वाले दूसरे देश - फ्रांस - साल 2024 में फ्रांस यूपीआई को अपनाने वाला पहला यूरोपीय देश बना. नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) की इंटरनेशनल यूनिट ने फ्रांस के डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म लाइरा के साथ सहयोग कर फ्रांस में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को लॉन्च किया ताकि यहां ई-कॉमर्स और प्रॉक्सिमिटी पेमेंट्स को सिक्योर किया जा सके.

संयुक्त अरब अमीरात - NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL) ने नेटवर्क इंटरनेशनल के साथ पार्टनरशिप में 2021 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में क्यूआर कोड-बेस्ड यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान को सक्षम किया. इससे दुबई मॉल, मॉल ऑफ द एमिरेट्स और देश के कई रिटेल और डाइनिंग आउटलेट में अब पेमेंट किया जा सकता है.

नेपाल - NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL) ने और नेपाल के सबसे बड़े पेमेंट नेटवर्क फोनपे पेमेंट सर्विस लिमिटेड ने 2024 में भारत और नेपाल के बीच सीमा पार लेनदेन के लिए यूपीआई शुरू करने के लिए हाथ मिलाया.

भूटान - रॉयल मॉनेटरी अथॉरिटी ऑफ भूटान ने 2021 में भूटान में भीम यूपीआई क्यूआर-बेस्ड ऑनलाइन पेमेंट को मान्यता देने के लिए NIPL के साथ पार्टनरशिप की, जिससे यह अपने क्यूआर परिनियोजन के लिए यूपीआई मानकों को अपनाने वाला पहला देश बन गया और भारत के निकटतम पड़ोस में भीम ऐप के माध्यम से मोबाइल बेस्ड पेमेंट को स्वीकार करने वाला पहला देश बन गया.

मॉरीशस - प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री महामहिम श्री प्रविंद जगन्नाथ के साथ मिलकर 2024 में देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) सर्विस की शुरुआत कर दी है. मॉरीशस में RuPay कार्ड का भी इस्तेमाल होने लगा है. मॉरीशस के साथ-साथ श्रीलंका में भी यूपीआई का इस्तेमाल होने लगा है. श्रीलंका के राष्ट्रपति महामहिम श्री रानिल विक्रमसिंघे का कहना है कि इस कदम से कनेक्टिविटी बढ़ेगी और दोनों देशों के बीच रिश्ता मजबूत होगा.

सिंगापुर - NIPL ने 2023 में सिंगापुर बेस्ड पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर फर्म हिटपे के साथ पार्टनरशिप में पूरे सिंगापुर में यूपीआई से पेमेंट को मान्यता दे दी है.

# IPO बाजार में हलचल, 1 मेनबोर्ड और 5 SME कंपनियां करेंगी एंट्री, जानिए GMP से लेकर लिस्टिंग तक का पूरा शेड्यूल

**IPO में निवेश से पहले कंपनी की वित्तीय स्थिति, सेक्टर की संभावनाएं और ग्रे मार्केट की हलचल को समझना जरूरी है. GMP सिर्फ एक इंडिकेशन होता है, लेकिन अंतिम लिस्टिंग प्राइस बाजार की चाल पर निर्भर करता है.**

नई दिल्ली, एजेंसी | अगर आप IPO मार्केट में निवेश के मौके तलाश रहे हैं, तो यह हफ्ता आपके लिए काफी व्यस्त और रोमांचक साबित हो सकता है. इस सप्ताह कुल छह कंपनियां अपना IPO ला रही हैं, जिनमें एक मेनबोर्ड और 5 SME इश्यू शामिल हैं.

ये कंपनियां अलग-अलग सेक्टर से जुड़ी हुई हैं, जैसे कि एयरपोर्ट फूड सर्विस, न्यूट्रिशन सप्लिमेंट्स, पावर सॉल्यूशन, पैकेजिंग और फार्मा सेक्टर. आइए जानते हैं कि इस हफ्ते कौन से IPO निवेशकों का ध्यान खींच रहे हैं, उनका ग्रे मार्केट प्रीमियम (GMP) क्या है और लिस्टिंग कब होने वाली है.

Travel Food Services का मेनबोर्ड IPO - मुंबई स्थित Travel Food Services कंपनी भारत और मलेशिया के कई एयरपोर्ट्स पर क्विक-सर्विस रेस्टोरेंट और लाउंज ऑपरेट करती है. कंपनी का मेनबोर्ड IPO 7 जुलाई को ओपन हो रहा है और यह इश्यू 9 जुलाई को बंद होगा.

इस ऑफर के तहत कंपनी 1.82 करोड़ शेयर बेचने जा रही है, जिसकी कीमत 1,045 से 1,100 रुपये प्रति शेयर तय की गई है. निवेशकों को न्यूनतम 13 शेयरों के लिए आवेदन करना होगा. कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 14 जुलाई को NSE और BSE दोनों पर होगी.

Kotak Mahindra Capital, ICICI Securities, HSBC Securities और Batlivala & Karani Securities इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं. ग्रे मार्केट में इस इश्यू का GMP फिलहाल 71 रुपये चल रहा है, जिससे लिस्टिंग प्राइस 1,171 रुपये तक जा सकती है, यानी ऊपरी प्राइस बैंड से लगभग 6.45 प्रतिशत अधिक. हालांकि, अंतिम लिस्टिंग प्राइस बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करेगा.

SME बाजार में 5 कंपनियों की दस्तक - इस हफ्ते SME सेगमेंट में पांच कंपनियां निवेशकों का ध्यान खींचने को तैयार हैं.

GLEN Industries, जो होटल और फूड पैकेजिंग सेक्टर के लिए थिन-वॉल कंटेनर और बायोडिग्रेडेबल स्ट्रॉ बनाती है, 8 जुलाई को अपना IPO लॉन्च करेगी. कंपनी इस इश्यू के जरिए 63.02 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है और प्रति शेयर प्राइस 92 से 97 रुपये तय किया गया है. निवेशकों को कम से कम 4,800 शेयरों के लिए आवेदन देना होगा. GMP के अनुसार, इसके शेयर 25 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं, जिससे संभावित लिस्टिंग प्राइस करीब 122 रुपये तक पहुंच सकती है.

# 'इंडिगो और तुर्किश एयरलाइंस के बीच जारी रहेगी कोडशेयर साझेदारी', सीईओ पिटर एल्बर्स ने किया एलान

नई दिल्ली, एजेंसी | इंडिगो की योजना साफ है कि, वह इस्तांबुल रूट जारी रखना चाहती है, चाहे उसके लिए तुर्किश एयरलाइंस के विमानों का विकल्प खुद के एयरबस ए321 से ही क्यों न निकाला जाए। वहीं दोनों के बीच कोडशेयर साझेदारी भी फिलहाल जारी रहेगी।

भारत की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने साफ किया है कि वह तुर्किश एयरलाइंस के साथ अपनी कोडशेयर साझेदारी को जारी रखेगी। इंडिगो के सीईओ पिटर एल्बर्स ने कहा कि भले ही तुर्किश एयरलाइंस से लिए गए विमान की लीज खत्म हो रही है, फिर भी कंपनी इस्तांबुल के लिए उड़ानें जारी रखने के विकल्पों पर काम कर रही है।

इंडिगो ने मौजूदा समय में तुर्किश एयरलाइंस से दो बोइंग 777-300ईआर विमान डैम्प लीज पर लिए हुए हैं। इन विमानों से दिल्ली और मुंबई से इस्तांबुल के लिए सीधी उड़ानें चलाई जा रही हैं। लेकिन 30 मई को भारतीय विमानन नियामक डीजीसीए ने इंडिगो को इन विमानों की डैम्प लीज के लिए अंतिम तीन महीने की मंजूरी दी है, जो 31 अगस्त को खत्म हो जाएगी। डीजीसीए का यह कदम ऐसे समय आया है जब तुर्की ने भारत की तरफ से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई की आलोचना की थी।

मामले में इंडिगो के सीईओ पिटर एल्बर्स ने बताया कि कंपनी इस्तांबुल के लिए उड़ानें जारी रखने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रही है, जैसे कि ए321 विमान का उपयोग। उन्होंने कहा, 'हम इस्तांबुल के लिए उड़ानें जारी रखेंगे। हम इस पर कई विकल्पों को देख रहे हैं।' जब उनसे पूछा गया कि क्या तुर्किश एयरलाइंस के साथ कोडशेयर साझेदारी आगे भी जारी रहेगी, तो उन्होंने कहा, 'हां, हमारी साझेदारी जारी रहेगी। इसे रोकने की कोई वजह नहीं है।'

कोडशेयर साझेदारी में एक एयरलाइन अपने यात्रियों को पार्टनर एयरलाइन की उड़ानों पर एक ही टिकट पर यात्रा करने की सुविधा देती है। इससे यात्रियों को ज्यादा रूट और कनेक्टिविटी मिलती है।

पिटर एल्बर्स ने यह भी बताया कि कोविड के बाद से विमानन सेक्टर में सप्लाई चेन (उत्पादन और आपूर्ति) से जुड़ी समस्याएं अब भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई हैं। हालांकि इंडिगो ने विमानों की लीज बढ़ाकर और अन्य उपायों से इस स्थिति को संभाला है। बता दें कि, इंडिगो के पास 400 से अधिक विमान हैं। जबकि कंपनी रोजाना 2200 से ज्यादा उड़ानें संचालित करती है। वहीं इस्तांबुल रूट के लिए इस्तेमाल हो रहे दो बोइंग विमान अब सिर्फ 31 अगस्त तक उड़ान भर पाएंगे।

# 12 से अधिक देशों के साथ निवेश संधि पर भारत कर रहा मजबूती से बातचीत, सरकारी अधिकारी बोले- जल्द होगी घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत इस समय निवेश को आकर्षित करने के लिए वैश्विक स्तर पर तेजी से कदम उठा रहा है। द्विपक्षीय निवेश संधियों के माध्यम से भारत की कोशिश है कि विदेशी निवेशकों को सुरक्षा और स्थायित्व का माहौल मिले, जिससे देश को आर्थिक रूप से मजबूती मिले और वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ सके।

भारत इस समय 12 से अधिक देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संधियों (बीआईटी) को लेकर सक्रिय बातचीत कर रहा है। इनमें सऊदी अरब, कतर, इस्राइल, ओमान, यूरोपीय संघ, स्विट्जरलैंड, रूस और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। इसके अलावा ताजिकिस्तान, कंबोडिया, उरुग्वे, मालदीव और कुवैत के साथ भी चर्चा चल रही है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आने वाले तीन से छह महीनों के भीतर कुछ देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संधि समझौते को अंतिम रूप देकर उसकी घोषणा की जा सकती है।

द्विपक्षीय निवेश संधि यानी दो देशों के बीच ऐसा समझौता होता है, जो एक-दूसरे के देशों में किए गए निवेश की सुरक्षा और प्रोत्साहन की गारंटी देता है।

# विदेश में भी रश्मिका को लेकर दिखी फैंस की दीवानगी

रश्मिका मंदाना के भारतीय फैंस उन्हें नेशनल क्रश मानते हैं। साउथ से लेकर बॉलीवुड तक की चर्चित फिल्मों में काम कर चुकीं रश्मिका हाल ही में पेरिस में नजर आईं। एक्ट्रेस का पेरिस ट्रिप का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें फैंस रश्मिका को लेकर अपनी दीवानगी दिखा रहे हैं। सोशल मीडिया पर रश्मिका का जो वीडियो वायरल हो रहा है। उसमें रश्मिका के कुछ फैंस उनकी फोटो ले रहे हैं। एक्ट्रेस के नाम का ले रहे हैं। कई फैंस- 'लव यू रश्मिका' भी कहते थे। इस प्यार को देखकर रश्मिका का चेहरा भी खिल उठा। वायरल वीडियो में फैंस की दीवानगी देखकर रश्मिका ने भी उन पर प्यार लुटाया। हाथों से हार्ट साइन बनाया। वह फैंस से मिले प्यार, अपनेपन के लिए शुक्रिया कहती भी दिखीं। इस वायरल वीडियो पर यूजर्स ने भी रिएक्ट किया है। हार्ट इमोजी बनाए हैं और रश्मिका को इंटरनेशनल क्रश बता दिया है। रश्मिका हाल ही में रिलीज हुई साउथ फिल्म 'कुबेर' में नजर आईं। इन दिनों वह एक बॉलीवुड फिल्म 'थामा' की शूटिंग भी कर रही हैं। इस फिल्म में वह आयुष्मान खुराना के अपोजिट नजर आएंगी। साथ ही रश्मिका एक साउथ फिल्म 'गर्लफ्रेंड' में भी नजर आएंगी, इसमें वह विजय देवरकोंडा के अपोजिट हैं। असल जिंदगी में भी उनका नाम विजय देवरकोंडा के साथ जोड़ा जा रहा है, दोनों के डेट करने की खूब चर्चा है। कई मौकों पर दोनों को साथ भी देखा जाता है, मगर अब तक रश्मिका और विजय ने अपना रिश्ता पब्लिकली स्वीकार नहीं किया है।

# मेट्रो इन दिनों ने अली फजल के नाम किया ये रिकॉर्ड

आदित्य कपूर, सारा अली खान और अली फजल की मल्टी स्टारर फिल्म मेट्रो इन दिनों रिलीज हो गई है. लंबे इंतजार के बाद आखिरकार फिल्म ने 4 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक दी. मेट्रो इन दिनों एक रोमांटिक और इमोशनल ड्रामा है जो दर्शकों को पसंद आ रही है. फिल्म को रिव्यू भी मिले-जुले मिले हैं और इसने बॉक्स ऑफिस पर एक अच्छी शुरुआत की है.आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान की मेट्रो इन दिनों ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कलेक्शन किया है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने 3.35 करोड़ रुपए कमाकर भारतीय बॉक्स ऑफिस पर खाता खोला है.

मेट्रो इन दिनों अली फजल के लिए लकी रही. ये फिल्म एक्टर के करियर की तीसरी सबसे बड़ी ओपनर है. इस इमोशनल ड्रामा ने अली फजल की कॉमेडी फिल्म फुकरे के ओपनिंग कलेक्शन को मात दे दी है. साल 2019 में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर फर्स्ट डे महज 2.50 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था. फुकरे बॉक्स ऑफिस पर स्लीपर हिट रही थी.

### अली फजल की टॉप ओपनर्स

अली फजल के करियर की टॉप ओपनर का खिताब फुकरे 3 के नाम है. 2023 की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 8.82 करोड़ रुपए कमाए थे. वहीं दूसरे नंबर पर फुकरे रिटर्न्स है जिसका ओपनिंग कलेक्शन 8.10 करोड़ रुपए था.

### मेट्रो इन दिनों की स्टार कास्ट

अनुराग बसु के डायरेक्शन में बनी फिल्म मेट्रो इन दिनों साल 2007 की फिल्म लाइफ इन अ मेट्रो का सीक्वल है. फिल्म में आदित्य कपूर, सारा अली खान, फातिमा सना शेख और अली फजल लीड रोल में हैं. इसके अलावा नीना गुप्ता, अनुपम खेर, कोंकणा सेन शर्मा और पंकज त्रिपाठी भी फिल्म का हिस्सा है. फिल्म चार कपल्स की लव स्टोरी और हार्ट ब्रेक की कहानी है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो मेट्रो इन दिनों का बजट 85 करोड़ रुपए है.

# बिग बॉस 19 में हॉटनेस का तड़का लगाएंगी पूनम पांडे

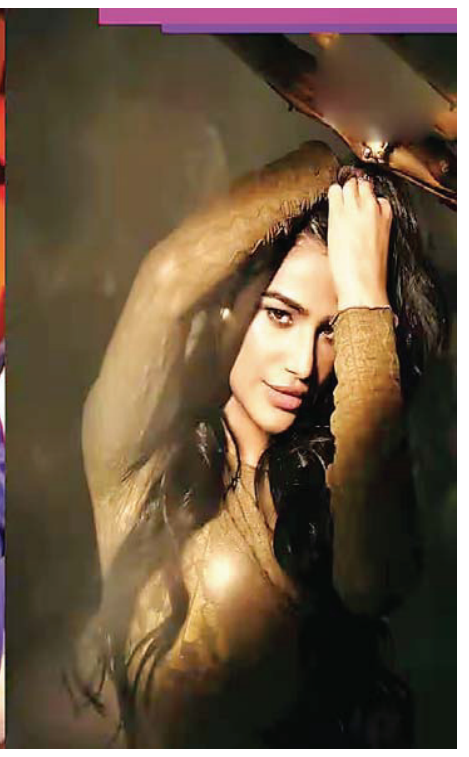

बिग बॉस 19 को लेकर लगातार खबरें आ रही हैं. हाल ही में दावा किया गया था कि अगस्त में सलमान खान अपने इस विवादित शो के नए सीजन के साथ टीवी पर दस्तक देने वाले हैं. यही वजह है जो लगातार टीवी सितारों का नाम बिग बॉस 19 के साथ जोड़ा जा रहा है. इसी बीच बॉलीवुड अदाकारा और सोशल मीडिया संसेशन पूनम पांडे ने बिग बॉस 19 को लेकर एक बड़ा खुलासा कर दिया है. पूनम पांडे ने कुछ ऐसा बोल दिया है जिसे सुनकर उनके फैंस खुशी के मारे उछल पड़ेंगे. हाल ही में पूनम पांडे ने बताया है कि अगर उनको बिग बॉस 19 में जाने का मौका मिला तो उका जवाब क्या होगा. इस सवाल का जवाब देते हुए पूनम पांडे ने बॉलीवुड लाइफ हिंदी से कहा, बिग बॉस 19 टीवी के उन शोज में है जो कि बहुत पॉपुलर है. सलमान खान जैसे बॉलीवुड सुपरस्टार बिग बॉस को होस्ट करते हैं. अगर मुझे मौका मिला तो मैं बिग बॉस में काम करना जरूर पसंद करूंगी.पूनम पांडे के इस बयान ने सोशल मीडिया पर बवाल मचा दिया है. फैंस को लग रहा है कि पूनम पांडे बिग बॉस 19 में आने वाली हैं. वैसे भी बातों ही बातों में पूनम पांडे ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर बड़ा खुलासा किया है. पूनम पांडे ने बताया, फैंस को अभी थोड़ा सा इंतजार करना होगा. मैं बहुत ही धमाकेदार प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हूं जिसका खुलासा आने वाले समय में हो जाएगा. ऐसे में फैंस का बिग बॉस को लेकर शक करना तो लाजमी ही है.मौका मिलते ही पूनम पांडे ने अपनी शादी के बारे में भी बात की. पूनम पांडे ने बताया कि अगर उनको कोई ऐसा मिल जाए जो उनकी जिंदगी बदल जाए तो क्या वो उस शख्स के साथ शादी करेंगी. इस सवाल के जवाब में पूनम पांडे ने कहा, अगर मुझे शादी करने का मौका मिला तो मैं पूनम पांडे के साथ ही सात फेरे लेना पसंद करूंगी. मुझे किसी और के बारे में बात करने की जरूरत नहीं है. ऐसा बोलकर पूनम पांडे ने सबको चौंका दिया है. पूनम पांडे का ये बयान इस बात का सबूत है कि पूनम पांडे खुद को कितना पसंद करती हैं।

# साईं पल्लवी मेरी तरह सीता नहीं बन सकतीं: दीपिका चिखलिया

रामानंद सागर की 'रामायण' में सीता का किरदार निभा चुकीं दीपिका चिखलिया आज भी करोड़ों लोगों के लिए 'सीता माता' हैं। हाल ही में जब नितेश तिवारी की नई फिल्म 'रामायण' का टीजर सामने आया, तो उन्होंने अमर उजाला डिजिटल से बातचीत में इस पर राय रखी। उन्होंने फिल्म के विजुअल्स की तारीफ की, लेकिन साथ ही इस बात की चिंता भी जताई कि कहीं रामायण के असली इमोशंस बड़े बजट और तकनीक के बीच खो न जाए। दीपिका चिखलिया ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे विजुअल इफेक्ट्स अच्छे लगे। लेकिन मेरी अपनी राय है कि रामायण सिर्फ ग्राफिक्स या टेक्नोलॉजी नहीं है। ये एक भावनाओं की कहानी है। टीजर देखकर कहानी का अंदाजा नहीं लगा, लेकिन इतना जरूर लगा कि ये काफी मॉडर्न लग रहा है। लाइटिंग, रंगों का टोन... सब थोड़ा नया जमाने जैसा महसूस हुआ। दीपिका ने कहा कि जब उन्होंने रामायण की थी, तब तकनीक बहुत सीमित थी, लेकिन लोगों ने उस शो से दिल से जुड़ाव बनाया था। अब जो टीजर देखा, उसमें भव्यता है, लेकिन मैं इंतजार कर रही हूं यह देखने का कि क्या उसमें वो इमोशंस हैं या नहीं।

जब दीपिका से पूछा गया कि रणबीर कपूर राम के रूप में कैसे लगे, तो उन्होंने कहा, जब मैंने रणबीर को राम के रूप में देखा, तो मुझे तुरंत अरुण गोविल

की याद आ गई। मैं शायद कभी राम की जगह किसी और को देख ही नहीं पाऊंगी। वे 35-40 साल से हमारे लिए राम हैं।सीता के रोल में साई पल्लवी के चयन पर दीपिका ने कहा, वो एक बहुत अच्छी एक्ट्रेस हैं। मैंने उनकी मलयालम फिल्में देखी हैं। उनकी एक्टिंग बहुत नैचुरल होती है। मुझे पूरा भरोसा है कि वे सीता का किरदार अच्छे से निभाएंगी। हां, वो मुझसे अलग होंगी, लेकिन वो अपना काम अच्छे से करेंगी।

दीपिका ने बताया कि जब उन्होंने रामायण में काम किया था, तब लोगों ने उन्हें सच में देवी के रूप में देखना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा, आज भी लोग मुझे और अरुण जी को राम-सीता ही मानते हैं। फर्क बस इतना है कि जब हम आए थे, तब हम बिल्कुल नए चेहरे थे। लोग हमें उसी रूप में स्वीकार कर पाए। लेकिन अब के कलाकार पहले से कई किरदार कर चुके हैं, इसलिए लोगों के लिए उन्हें भगवान के रूप में स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।नई फिल्म में अरुण गोविल दशरथ की भूमिका निभा रहे हैं। इस पर दीपिका ने भावुक होकर कहा, जब मैंने सोशल मीडिया पर उन्हें दशरथ के रूप में देखा, तो दिल से यही निकला... ये तो राम जी हैं। उनके चेहरे पर वही शांति, वही छवि है। मुझे उन्हें दशरथ के रूप में देखना थोड़ा मुश्किल लगा।' दीपिका ने यह भी बताया कि उन्हें इस फिल्म के लिए किसी ने संपर्क नहीं किया। साथ ही उन्होंने खुद को किसी और किरदार में देखने से इनकार किया। एक्ट्रेस ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि मैं सिर्फ सीता हूं। मैं खुद को किसी और रूप में रामायण में नहीं देख सकती। अगर महाभारत जैसा कुछ होता, तो सोचती। लेकिन रामायण में नहीं।

## बिना दूसरी शादी के नहीं चलता काम

# सीरियल्स की कहानी का फंडा है फिक्स

भारतीय टेलीविजन की दुनिया में कुछ फॉर्मूले ऐसे हैं, जो दशकों से हिट रहे हैं. लेकिन कई बार दर्शकों की तरफ से इन सीरियल के मेकर्स पर ये आरोप लगते हैं कि उनके शोज में मुख्य किरदारों की कई शादियां दिखाकर कहानी को खींचा जाता है. सेंसर बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पहलाज निहलानी ने भी हाल ही में एकता कपूर के सीरियल में नजर आने वाले किरदारों की कई शादियों पर सवाल उठाए हैं.

**अनुपमा:** स्टार प्लस के नंबर वन सीरियल अनुपमा में अब तक रुपाली गांगुली का किरदार एक आदर्श बहू और पत्नी से एक स्वतंत्र महिला बनने तक का सफर तय कर चुका है. पहले अनुपमा की शादी वनराज से हुई थी, जो बाद में टूट गई और वनराज के बाद अनुपमा ने अपने जीवन में प्यार और सम्मान पाने के लिए अनुज कपाड़िया से शादी की. रुपाली गांगुली के शो के लिए ये ट्रैक टर्निंग पॉइंट साबित हुआ था.

**कसौटी जिंदगी की:** एकता कपूर के सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' की प्रेरणा और अनुराग की प्रेम कहानी इंडियन टेलीविजन की आइकॉनिक कहानियों में से एक रही है. लेकिन इस सीरियल की कहानी भी कई शादियों और तलाक से गुजर चुकी है. खुद अनुराग की शादी पहले कोमोलिका और प्रेरणा से हुई, वहीं प्रेरणा ने भी अनुराग से अलग होने के बाद मिस्टर बजाज से शादी की थी, जिससे इन दोनों की जिंदगी में कई नए मोड़ आए.

**क्योंकि सास भी कभी बहू थी:** स्मृति ईरानी का 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' इंडियन टेलीविजन के इतिहास के सबसे सफल शोज में से एक है. इस सीरियल में नंदिनी का किरदार पहले अंश गुजराल से शादी करते हुए और फिर अंश की मौत के बाद में अपने पुराने प्यार करण से शादी करते हुए दिखाया गया है.

**परिणीति:** कलर्स टीवी के सीरियल 'परिणीति' में एक ही लड़के राजीव बाजवा की शादी दो सहेलियों परी और नीति से होती है, कहानी में कई ट्विस्ट आते हैं क्योंकि राजीव, परिणीति और नीति के बीच फंसा रहता है, जिससे रिश्तों की ये उलझन कई बार शादियों और अलगाव की ओर ले जाती है.

**ये है मोहब्बतें:** एकता कपूर के इस शो में रमन भल्ला की दो शादियां दिखाई गई हैं, उसकी पहली शादी शगुन से होती है, जिसके बाद उनका तलाक हो जाता है।

# भोपाल उत्सव मेला समिति एवं सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से पंजाबी बाग गुरुद्वारा अशोका गार्डन में निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल भोपाल उत्सव मेला समिति एवं सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से पंजाबी बाग गुरुद्वारा अशोका गार्डन में निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया माननीय मंत्री श्री विश्वास सारंग मध्य प्रदेश शासन द्वारा शिविर का अवलोकन किया गया तत्पश्चात शिविर में दीप प्रज्वलित कर कैंप का शुभारंभ किया

इस अवसर पर भोपाल उत्सव मेला समिति के पदाधिकारी गण उपाध्यक्ष चंद्रशेखर सोनी महामंत्री सुनील जैनाविन नारायण सिंह कुशवाहा संदीप सिंह सूरी परमजीत सिंह बेदी

शिविर में 234 बाहय नेत्र रोगियों की जांच की गई इनमें से 38 रोगियों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए सेवा सदन चिकित्सालय भेजा गया इस अवसर पर श्री अशोक वाणी श्री सूर्यकांत गुप्ता बंटी नारंग परविंदर सिंह सुरेश आवत रामानी उपस्थित रहे

# गुरु नानक मंडल ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर बाल निकेतन के बच्चो को स्कूल बेग वितरण कर एक पेड़ माँ के नाम लगाया

## बाल निकेतन _अनाथालय के बच्चो को दिखाई प्रेरणादायक फिल्म -सितारे जमीन पर

• साधना एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल गुरु नानक मंडल ने महान शिक्षाविद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर बाल निकेतन- अनाथालय के बच्चों के साथ एक पेड़ माँ के नाम लगाया। इसके बाद, बच्चों के साथ 'सितारे जमीन पर' जैसी प्रेरणादायक फिल्म दिखाई एंवम बच्चों को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन परिचय

की पुस्तक भेंट की और नए सत्र के लिए उज्ज्वल भविष्य की कामना कर बच्चों को स्कूल बैग भी वितरित किए गए।

इस अवसर पर अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा, 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान शिक्षाविद और देशभक्त थे। उनके आदर्श और विचार आज भी हमें प्रेरित करते हैं एंवम शिक्षा के क्षेत्र में भी डॉ. मुखर्जी ने अमूल्य योगदान दिया। उन्होंने उच्च शिक्षा को भारतीय संस्कृति से जोड़ने पर जोर दिया, ताकि देश की युवा पीढ़ी अपने सांस्कृतिक मूल्यों के साथ आधुनिक ज्ञान प्राप्त कर सके।

कार्यक्रम में उपस्थित राजा शर्मा,नरेंद्र ठाकुर,संदीप कल्याणे, यतिन् मकवाना,सुनील सराठे, गोरधन अहिरवार, सुकांति ठाकुरिया, कुसुम हिरवे, चंदू यादव, जितेंद्र डागोर् सहित सभी लोगों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि कर उनके आदर्शों और विचारों को अपनाने का संकल्प लिया और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## भविष्य निधि खातों से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए जागरूकता शिविर - 7 जुलाई से 11 जुलाई तक

**भोपाल ।** शासकीय कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए महालेखाकार लेखा एवं हकदारी द्वितीय द्वारा 07 जुलाई से 11 जुलाई 2025 तक सामान्य भविष्य निधि जागरूकता कैम्प का आयोजन यू.एन.डी.पी हॉल विंध्यांचल भवन तृतीय तल भोपाल में किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 07 जुलाई से 11 जुलाई 2025 तक कार्यालयीन समय में जीपीएफ श्रेणी के अंतर्गत आने वाले शासकीय सेवकों के जी.पी.एफ से संबंधित शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री विक्रम छिरौल्या ने बताया कि आयुक्त कोष एवं लेखा के निर्देश पर कलेक्टर जिला भोपाल के मार्गदर्शन में जिन शासकीय सेवकों के जी.पी.एफ राशि में गुमशुदा कटौत्रा है उनका त्वरित निराकरण वांछित चालान व्हाउचर्स के साथ सामान्य भविष्य निधि कैम्प में उपस्थित होने पर किया जायेगा। इसके अतिरिक्त जी.पी.एफ खातें में नाम, जन्मतिथि, जी.पी.एफ खाते में माईनस बैलेस, शासकीय सेवक का एम्प्लाई कोड जी.पी.एफ खाते से लिंक न होना, मोबाईल न. जी.पी.एफ खाते से लिंक न होना अथवा अन्य त्रुटि होने की स्थिति में उपयुक्त प्रमाणित दस्तावेज के साथ सामान्य भविष्य निधि अदालत में उपस्थित होने पर सुधार संबंधी कार्य किया जाएगा।

## मंत्री भूरिया से मिली चैम्पियन बालिकाएं

# बालिका गृह की बेटियों ने जीता अंतर्राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक

**भोपाल।** भोपाल के बालिका गृह की कुछ खास बच्चियाँ गौरव की प्रतीक बन गई हैं। इन बच्चियों ने 'फर्स्ट एशियन चेस फॉर फ्रीडम चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया और यह साबित कर दिया कि हालात चाहे जैसे भी हों, हौसले अगर बुलंद हों तो कोई भी सपना अधूरा नहीं रहता। शुक्रवार को इन चैम्पियन बच्चियों ने महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया से मुलाकात की, तो माहौल भावनाओं से भर गया। आँखों में चमक, चेहरे पर आत्मविश्वास और मन में कुछ कर दिखाने की आग, हर बच्ची की मुस्कान एक नई कहानी कह रही थी। मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बच्चियों को बधाई दी और कहा कि ये सिर्फ एक जीत नहीं, ये समाज के लिए एक संदेश है कि हर बच्ची, चाहे वह किसी भी परिस्थिति में जन्मी हो, अगर उसे अवसर मिले तो वह सितारों को छू सकती है। उन्होंने बच्चियों का न केवल हौसला बढ़ाया बल्कि यह भी भरोसा दिलाया कि उनके सपनों को साकार करने के लिए सरकार हरसंभव मदद करेगी। सुश्री भूरिया ने कहा कि ये बेटियाँ अब सिर्फ बालिका गृह की बच्चियाँ नहीं रहीं। अब वे प्रेरणा बन चुकी हैं, उन लाखों बच्चों के लिए, जो अपने जीवन को एक नई दिशा देना चाहते हैं। आयुक्त महिला बाल विकास श्रीमती सूफिया फारुकी वली ने कहा कि इन बच्चों को प्रोत्साहन देना, इनका सबसे बड़ा सम्मान है। मिशन वात्सल्य की टीम के मोटिवेशन के साथ इन बच्चियों ने लगन और मेहनत से ये अपार सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बच्चियों को बधाई देते हुए कहा कि आपने जीवन की निराशा को आशा में बदलकर अपने भविष्य को गढ़ा है। उल्लेखनीय है कि वीएसटी एशियन चेस फॉर फ्रीडम चैंपियनशिप ऑनलाइन चैंपियनशिप है। इसमें चार महाद्वीपों के 15 देशों ने भाग लिया। इंडियन ऑयल की परिवर्तन प्रिजन टू प्राइम के तहत इन बच्चियों को चेस खेल का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक अभिजीत कुंटे ने बताया कि पहली बार जब मैं इन बच्चियों को प्रशिक्षण देने गया तो सब डरी सहमी थी, पर इनके जज्बे को सलाम है। इनकी लगातार 3-6 महीने की मेहनत ने इन्हें चैंपियन बना दिया है। श्री कुंटे ने कहा कि अब बालिकाएं अक्टूबर में वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेंगी।

# निगम अमले ने विभिन्न क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण

## ठेले, टेबिल, कैरेड, भट्टी, गमले आदि किए जप्त

**भोपाल।** नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने के साथ ही जिला प्रशासन सहित अन्य विभागों को सहयोग देने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से बनें शेड, स्लेब, चबूतरे तोड़े तथा दुकानों के सामने रखा सामान, ठेले, गुमठी, टपरा, काउंटर, पान पार्लर, पटिये तथा फल-सब्जी की दुकानों को हटाने की कार्यवाही की और ठेले, टेबिल, कैरेड, भट्टी, गमले आदि किए जप्त।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने शुक्रवार को पीरगेट, कोहेफिजा, गुफा मंदिर रोड, ऐशबाग, चाणक्यपुरी, करोद, महात्मा गांधी मार्केट, न्यू मार्केट, भारतमाता चौराहा, माता मंदिर, एम.पी.नगर, गायत्री मंदिर, जहांगीराबाद, अरेरा कालोनी, लिंक रोड नं. 01, 02, 03, चूना भट्टी, जवाहर चौक, अशोका गार्डन, कटारा हिल्स, बर्ई, अमलतास कालोनी, गौरीशंकर परिसर, कोलार, डीमार्ट, कलियासोत, 1100 क्वार्टर्स, लिली टॉकीज, रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन आदि क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए कोहेफिजा मेनरोड के किनारे बना 01 अवैध टपरा, चूना भट्टी क्षेत्र में नाली पर बनें स्लैब, हर्षवर्धन नगर माता मंदिर क्षेत्र में अवैध रूप से बना चबूतरा, जवाहर चौक क्षेत्र में सड़क किनारे बना 01 अवैध छप्पर, कटारा बर्ई क्षेत्र में अवैध रूप से बना शेड आदि तोड़ा तथा विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण कर रखी गई भवन निर्माण सामग्री, दुकानों के बाहर रखा सामान, फल-सब्जी की दुकानें व बड़ी संख्या में ठेले, गुमठी, काउंटर, पान पार्लर, आदि को हटाया और 13 ठेले, 08 गमले, 05 कैरेड, 03 टेबिल, 01 भट्टी सहित अन्य प्रकार का सामान जप्त किया। निगम अमले ने अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के पश्चात पुनः अतिक्रमण न करने की समझाइश देते हुए चेतावनी भी दी कि यदि पुनः अतिक्रमण पाया जाता है तो और अधिक सख्त कार्यवाही की जायेगी।

# सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध होगी दंडात्मक कार्रवाई

## पुलिस आयुक्त ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

**भोपाल ।** पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणचारी मिश्र ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध एवं भोपाल में जन सुरक्षा तथा लोक परिशांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस. टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं करेगा।

कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि, जिससे धार्मिक, सामाजिक, जातिगत आदि भावनाएं भड़क सकती हैं या सांप्रदायिक विद्वेष पैदा हो सकता है, उन्हें प्रसारित नहीं करेगा। सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट, जिसमें धार्मिक, सांप्रदायिक एवं जातिगत भावना भड़कती हो, को कमेंट, लाइक, शेयर या फॉरवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके।

कोई भी व्यक्ति सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुर्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेगा और न ही इसके लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर, भड़काकर उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश, जिससे लोग या समुदाय विशेष, हिंसा या गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल हो जाएं, को प्रसारित नहीं करेगा और न ही लाइक, शेयर या फारवर्ड करेगा और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा।

कोई भी व्यक्ति, समुदाय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा, जिसमें किसी व्यक्ति, संगठन, समुदाय आदि को एक स्थान पर एक राय होकर जमा होने और उनसे कोई गैरकानूनी गतिविधियां करने के लिए आव्हान किया गया हो, जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना विद्यमान हो। भोपाल शहर की सीमा में किसी भी साइबर कैफे के स्वामी संचालक द्वारा किसी भी अनजान व्यक्ति, जिसका परिचय किसी विश्वसनीय प्रमाण-पत्र, जैसे परिचय पत्र, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, पासपोर्ट फोटोयुक्त, पैन कार्ड या ऐसे ही अन्य साक्ष्य से प्रमाणित न हो, को साइबर कैफे का उपयोग नहीं करने दिया जायेगा। साइबर कैफे के स्वामी/संचालक द्वारा समस्त आगंतुकों/प्रयोगकर्ताओं का रजिस्टर रखा जाना आवश्यक है, जिसमें उनका हस्तलिखित नाम, पता, दूरभाष नम्बर तथा परिचय का प्रमाण पत्र अंकित हो, इसके बिना सायबर कैफे का प्रयोग वर्जित होगा।

भोपाल नगर की सीमा में उपरोक्त गतिविधियों को प्रतिबंधित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावी होगा। इस आदेश अथवा इस आदेश के किसी अंश का उल्लंघन करना भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।

# महापौर श्रीमती मालती राय ने किया अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग नवाचार एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन का शुभारंभ

**भोपाल ।** महापौर श्रीमती मालती राय ने अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग नवाचार एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन-2025 के तहत इंटरनेशनल कान्फ्रेंस का उद्घाटन किया। महापौर श्रीमती मालती राय ने शुक्रवार को रायसेन रोड स्थित एल.एन.सिटी कॉलेज के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय इंजीनियरिंग नवाचार एवं प्रौद्योगिकी-2025 के तहत आई.ई.ई.ई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर एल.एन.सिटी के श्री प्रदीप चौकसे सहित देश भर के विभिन्न तकनीकि संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

## प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रशिक्षण विभाग ने किया राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

**भोपाल।** प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रशिक्षण विभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय राज्य स्तरीय चयन इंटरव्यू कार्यक्रम का आयोजन भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में किया गया। इस विशेष आयोजन में महेंद्र जोशी (प्रदेश प्रभारी प्रशिक्षण), विंग कमांडर अनुमा आचार्य, सुश्री निधि चतुर्वेदी, ललित सेन, आनंद जाट, अवनीश भार्गव एवं इरफ़ान खान सहित अनेक वरिष्ठ प्रशिक्षण विशेषज्ञों की उपस्थिति रही। इस इंटरव्यू में प्रदेश के 200 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया, जिनमें से 100 प्रशिक्षकों का चयन किया जाएगा। चयनित प्रशिक्षकों को आगामी दो दिवसीय कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा, जिसका आयोजन इसी माह पीसीसी में किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद सभी प्रशिक्षकों को जिले अलॉट किए जाएंगे, जहाँ वे बूथ स्तर से प्रदेश स्तर तक कांग्रेस संगठन के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। यह संपूर्ण प्रशिक्षण अभियान अगले दो वर्षों तक सघन रूप से चलाया जाएगा, जिसका उद्देश्य संगठनात्मक मजबूती, वैचारिक स्पष्टता एवं बूथ स्तर तक पार्टी कार्यकर्ताओं में दक्षता का विकास करना है। इस संदर्भ में संगठन महामंत्री डॉ संजय कामले ने कहा यह प्रशिक्षण अभियान कांग्रेस पार्टी के पुनर्गठन, सशक्तिकरण और विचारधारा के प्रसार का मजबूत माध्यम बनेगा।

## परामर्श दात्री समिति की बैठक सम्पन्न

**भोपाल ।** अपर कलेक्टर श्री अंकुर मेश्राम द्वारा सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया गया कि वह शासन निर्देशानुसार प्रति 3 माह में परामर्श दात्री समिति की बैठक आयोजित कर कर्मचारियों की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण करें। अपर कलेक्टर श्री मेश्राम ने कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में परामर्श दात्री समिति बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि एवं कर्मचारी उपस्थित थे। अपर कलेक्टर श्री अंकुर मेश्राम ने कर्मचारियों की पदोन्नति, अनुकंपा नियुक्ति, समयमान वेतनमान,विभिन्न मदो का एरियर्स न मिलना, गोपनीय चरित्रावली अधिकारियों द्वारा समय पर ना लिखा जाना, अटैचमेंट प्रथा बंद करना, वेतन निरधारण न करना,वर्दी भत्ता न मिलने आदि समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

# संसदीय राजभाषा समिति ने हिंदी से एमबीबीएस कोर्स की सराहना की

भोपाल। संसदीय राजभाषा समिति ने मध्यप्रदेश में हिंदी माध्यम से संचालित चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था की सराहना की है। समिति ने इस पहल को भारतीय भाषाओं में तकनीकी व उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में ठोस कदम बताया और सुदृढ़ीकरण के लिए सुझाव दिए। संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष भर्तृहरि महताब (सांसद, लोकसभा, कटक - ओडिशा) की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल में सम्पन्न हुई। समिति ने संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों से संवाद कर हिंदी माध्यम में अध्ययन से जुड़े अनुभव एवं पुस्तकों की गुणवत्ता पर फीडबैक प्राप्त किया। समिति ने सुझाव दिया कि प्रारंभिक स्तर पर आने वाली चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सतत निगरानी, चरणबद्ध समीक्षा तथा फीडबैक आधारित सुधारात्मक पहल अपनाई जानी चाहिए। बैठक में संसदीय राजभाषा समिति के सदस्य उज्ज्वल रमण सिंह (सांसद, लोकसभा, इलाहाबाद - उत्तर प्रदेश), शंकर लालवानी (सांसद, लोकसभा, इंदौर - मध्यप्रदेश), डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी (सांसद, राज्यसभा, मध्यप्रदेश), डॉ. अनिल सुखदेवराव बोंडे (सांसद, राज्यसभा, महाराष्ट्र), हरिभाई पटेल (सांसद, लोकसभा, मेहसाणा - गुजरात), कुलदीप इंदौरा (सांसद, लोकसभा, गंगानगर - राजस्थान) और जियाउर्रहमान (सांसद, लोकसभा, संभल - उत्तर प्रदेश) उपस्थित रहे। समिति सचिव प्रेमनारायण, हिंदी अधिकारी मनोज कुमार और रिपोर्टर मोहम्मद आरिफ़ भी बैठक में सम्मिलित हुए। गांधी चिकित्सा महाविद्यालय की स्वशासी समिति के अध्यक्ष मयंक अग्रवाल और महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. कविता एन. सिंह ने समिति का स्वागत किया। उन्होंने प्रदेश में हिंदी माध्यम से मेडिकल शिक्षा की प्रगति पर प्रस्तुति दी। बताया गया कि प्रदेश के समस्त चिकित्सा महाविद्यालयों के विषय विशेषज्ञों के सहयोग से एमबीबीएस पाठ्यक्रम के सभी 15 विषयों की पुस्तकों का हिंदी में सफलतापूर्वक अनुवाद एवं संपादन किया गया है।

## राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग ने भोपाल में की जनसुनवाई

# प्रदेश की 32 जातियों को पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल करने प्रतिनिधियों ने रखा पक्ष

भोपालु। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर एवं आयोग के सदस्य भुवन भूषण कमल ने आज वीआईपी गेस्ट हाउस में जनसुनवाई की। मामला प्रदेश की पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल 32 जातियों को केन्द्रीय सूची में सम्मिलित करने का है। जनसुनवाई के दौरान इन जातियों के प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश राज्य की पिछड़ा वर्ग की केन्द्रीय सूची में सम्मिलित होने के लिए अपना पक्ष प्रस्तुत किया।

इन जातियों के प्रतिनिधियों का कहना था कि राष्ट्रीय सूची में नाम शामिल न होने से उनकी जाति के लोगों को राष्ट्रीय स्तर पर आरक्षण का लाभ नहीं मिल पाता है। इस दौरान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया एवं सदस्य सीताराम यादव के साथ अपर सचिव अनुराग चौधरी पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण आयुक्त सौरभ सुमन मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सचिव डॉ. देवेश कुमार मिश्रा भी सुनवाई में शामिल हुए।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सचिव देवेश मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग नई दिल्ली द्वारा मध्यप्रदेश राज्य की पिछड़ा वर्ग की 32 जातियों को लेकर यह सुनवाई की जा रही है। इस जाति के लोग खुद को केन्द्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सूची में शामिल कराना चाहते हैं। सचिव राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग मिश्रा ने बताया कि वर्तमान स्थिति में केन्द्रीय पिछड़ा वर्ग की केन्द्रीय सूची में मध्यप्रदेश राज्य के लिए 68 जातियां सम्मिलित हैं।

### केंद्रीय सूची में इन जातियों को शामिल करने की मांग

जनसुनवाई में पिछड़ा वर्ग की दवेज, भोपा मनभाव, दमामी, हरिदास, कोहरी, फूलमाली (फूलमारी), कलार, जायसवाल, डउसेना, लोढ़ा (तंवर), गोलान, गौलान, गवलान, जादम, कुडमी, रूआला- रूहेला, अब्बासी के साथ सक्का, घोषी गवली और गोली शामिल हैं। इनके अतिरिक्त लिंगायत, महाकुल (राउत), थारवार, जमना लोधी, मनधाव डूकर, कोल्हाटी, घड़वा, झारिया, वोवरिया, मोवार, रजवार, सुत सारथी, तेलंगा, तिलंगा, गयार- परधनिया, बया महरा- कौशल, वया थोरिया, खरादी, कमलीगर, संतराम, शेख मेहतर के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने अपनी-अपनी जातियों को केन्द्रीय सूची में शामिल करने की मांग की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698